■ आषाढ़ शुक्ल - 1 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 327 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 26-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 शार्दुल ठाकुर की जगह दूसरे टेस्ट में कुलदीप यादव को मिल सकती है जगह

6 परमाणु हथियारों के बहाने किए गए युद्ध का परिणाम क्या हुआ?

7 मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा आडवाणी

## फर्स्ट टेक

### अमेरिका और ईरान के अधिकारी अगले सप्ताह वार्ता करेंगे : ट्रंप

**द हेग/एपी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के अधिकारी अगले सप्ताह बातचीत करेंगे, जिससे इजराइल और तेहरान के बीच हालिया संघर्ष के कारण बाधित हुई वार्ता बहाल होगी। नीदरलैंड में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान प्रेस वार्ता में ट्रंप ने कहा, ''मैं आपको बता दूं कि हम अगले सप्ताह ईरान के साथ बातचीत करने जा रहे हैं। हम किसी समझौते पर हस्ताक्षर भी कर सकते हैं।''

**मिशन मंडेला**
**दक्षिण भारत राष्ट्रमत**
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### तू तू-मैं मैं

वो कुछ बोले तुम कुछ बोलो,
फिर कुछ-कुछ सारे बोलें।
इक दूजे के मतभेदों को,
भेद-भेद करके खोलें।
दिखलाते वे बजा-बजा कर,
सारे ढोलों में पोलें।
अपनी-अपनी स्वार्थ तुला पर,
सब अपने सपने तोलें।।

**प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूरा होने के मौके पर कहा**

## लोकतांत्रिक इतिहास के 'सबसे काले अध्यायों' में से एक था आपातकाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आपातकाल का विरोध करने वाले लोगों के बलिदान का स्मरण और सम्मानित करने का संकल्प लिया।
- मोदी सरकार ने पिछले वर्ष घोषणा की थी कि आपातकाल की बरसी को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूरा होने के मौके पर बुधवार को कहा कि यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के ''सबसे काले अध्यायों'' में से एक था और तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने ''लोकतंत्र को बंदी बना लिया'' था। मोदी ने यह भी कहा कि आपातकाल के दौरान जिस तरह से संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया, उसे कोई भी भारतीय कभी नहीं भूलेगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रमुख सहयोगी जनता दल (यू) के शीर्ष नेताओं ने कांग्रेस आपातकाल को घेरा तो मुख्य विपक्षी दल ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से देश में ''अघोषित आपातकाल'' लगा हुआ है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आपातकाल का विरोध करने वाले लोगों के बलिदान का स्मरण और सम्मानित करने का संकल्प लिया। मंत्रिमंडल ने आपातकाल का विरोध करने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए कुछ क्षणों का मौन रखा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उन लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा, जिनके संविधान प्रदत्त लोकतांत्रिक अधिकार छीने गए और जिन्हें अकल्पनीय यातनाओं का सामना करना पड़ा।

प्रस्ताव में कहा गया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उन अनगिनत व्यक्तियों के बलिदान को स्मरण और सम्मानित करने का संकल्प लिया, जिन्होंने आपातकाल और भारतीय संविधान की भावना को कुचलने के प्रयासों का साहसपूर्वक विरोध किया। यह दमनचक्र 1974 में नवनिर्माण आंदोलन और संपूर्ण क्रांति अभियान को बलपूर्वक कुचलने के प्रयासों से शुरू हुआ था।

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई पोस्ट कर मोदी ने कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के सबसे अंधकारमय अध्याय में से एक है। उन्होंने कहा कि आपातकाल में संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को दबा दिया गया और बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया।

## बेंगलूरु के वृद्धाश्रम में बुजुर्ग दंपत्ति मृत पाए गए

**बेंगलूरु।** बेंगलूरु के एक वृद्धाश्रम में बुधवार को एक बुजुर्ग दंपति फंदे से लटके पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान कृष्णमूर्ति (81) और उनकी पत्नी राधा (74) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की बात सामने आई है, हालांकि पुलिस सभी पहलू से घटना की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि दंपति इससे पहले 2021 में बैयटरायणपुरा स्थित एक वृद्धाश्रम में रहे थे, लेकिन 2023 में अपने बेटे के पास रहने के लिए लौट आए। उन्हें हाल ही में जेपी नगर स्थित वृद्धाश्रम में रहने के लिए भेज दिया गया था, जहां यह घटना हुई। पुलिस के अनुसार, मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

## शुभांशु शुक्ला निकले अंतरिक्ष की सैर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/लखनऊ/भाषा।** बुधवार को 'स्पेसएक्स फाल्कन 9' रॉकेट पर सवार होकर अंतरिक्ष की ओर बढ़ते हुए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने पूरे देश की उम्मीदों को पंख लगा दिए और अपने उस सपने को साकार किया, जो संभवतः पहली बार उन्होंने तब देखा था जब वह बच्चे के रूप में एक एयर शो में गए थे।

रॉकेट के आसमान में प्रवेश करते ही भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुक्ला 1984 में राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बन गए।

शुक्ला (39) के पास विभिन्न प्रकार के लड़ाकू जेट विमानों पर 2,000 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है।

लखनऊ में जन्मे शुक्ला इसरो-नासा समर्थित एक्सिओम स्पेस के वाणिज्यिक अंतरिक्ष यान का हिस्सा हैं, जो फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए 14 दिन की यात्रा पर रवाना हुआ है।

लाखों लोग अंतरिक्ष में उड़ने का सपना देखते हैं और शुक्ला जैसे कुछ लोग इसे साकार कर पाते हैं।

उनकी बड़ी बहन शुचि शुक्ला को याद है कि यह सब कब शुरू हुआ था। उन्होंने कहा, ''बचपन में वह एक बार एयर शो देखने गया था। बाद में उसने मुझे बताया कि वह विमान की गति और ध्वनि से कितना मोहित हो गया था। फिर उसने उड़ने के अपने सपने के बारे में बताया, लेकिन निश्चित रूप से उस समय कोई नहीं बता सकता था कि वह अपने सपने को कितनी जल्दी पूरा करेगा।''

## भारतीय वायुसेना के पायलट अभिनंदन को पकड़ने वाला पाक सेना का अधिकारी तालिबान के हमले में मारा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**इस्लामाबाद/भाषा।** पाकिस्तानी सेना के विशेष सेवा समूह का एक अधिकारी तालिबानी उग्रवादियों के साथ झड़प में मारा गया, जिसने 2019 में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद भारतीय वायुसेना के पायलट अभिनंदन वर्धमान को पकड़ने का दावा किया था। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के बयान के अनुसार, 37 वर्षीय मेजर सैयद मुईज अब्बास शाह मंगलवार को अफगानिस्तान की सीमा के पास दक्षिण वजीरिस्तान के सरारोगा इलाके में तालिबानी उग्रवादियों के साथ झड़प में मारे गए।

बयान में कहा गया कि 27 वर्षीय लांस नायक जिब्रानउल्ला की भी इस हमले में मौत हो गई। इसमें कहा गया कि सेना के जवानों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 11 आतंकवादियों को मार गिराया और सात अन्य घायल हो गए।

मुईज के जनाजे की नमाज रावलपिंडी के चकलाला गैरीसन में पढ़ी गई और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी इसमें शामिल हुए।

स्थानीय मीडिया की खबरों में इस बात का जिक्र किया गया कि मुईज वही अधिकारी थे जिन्होंने अभिनंदन को पकड़ा था और उन्हें भीड़ हिंसा से बचाया था। 'जियो टीवी' के साथ मुईज के साक्षात्कार की एक पुरानी क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें तब कैप्टन रहे मुईज को अभिनंदन को पकड़ने का विवरण देते हुए देखा जा सकता है।

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ श्री गौमाताय नमः ॥

# श्री बिलावास गौशाला सेवा समिति

द्वारा आयोजित

## भव्यातिभव्य गौ-भक्ति संध्या एवं भगवान श्री कृष्ण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा निमिते बोलियाँ महोत्सव

भावभरा हार्दिक आमंत्रण

भावभरा हार्दिक आमंत्रण

**दिनांक 27 जून 2025, शुक्रवार**

शुभ स्थल : प्रिन्सेस थ्राईन, गेट नं. 9, पैलेस ग्राउन्ड, बल्लारी रोड, बेंगलोर (कर्नाटक)

महाप्रसादी : सायं 6.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक | गौ-भक्ति संध्या : सायं 6.30 बजे से प्रभु इच्छा तक

26 जनवरी 2025 को बिलावास गौशाला को पाली जिले की सर्वश्रेष्ठ गौशाला से सम्मानित किया गया

### * मुख्य अतिथि गण *

श्री श्री 1008
घनश्यामदासजी महाराज
मुख्य मार्गदर्शक एवं
परम् गौ भक्त, बिलावास

श्री श्री 1008
पुरुषराजजी महाराज
माताजी के परमभक्त
एवं गौ रक्षक, बेंगलोर

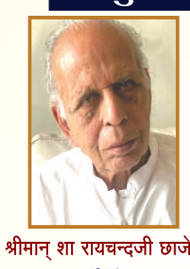

श्रीमान् शा रायचन्दजी छाजेड़
अध्यक्ष
बेंगलोर गौरक्षण शाला
दोडनिकुन्डी, बेंगलोर

श्रीमान् शा.गजराजजी पगारिया
अध्यक्ष उवसग्गंहार पार्श्व तीर्थ
नागपुरा, छत्तीसगढ़
प्रमोटर- पगारिया ग्रुप ऑफ कंपनीज
चांसलर- मैट्स यूनिवर्सिटी, रायपुर (छग)

श्रीमान् शा सरदारमलजी सुराणा
Maruti And Company
Cox Town Bangalore

श्रीमान् शा. विमलजी कटारिया
Chairman
JITO NORTH
Bangalore

### विशिष्ट अतिथि गण

- श्रीमान् सुमतिलालजी पगारिया
  अध्यक्ष : पिंजरा पौल, मैसूर
- श्रीमान् छैलारामजी काग
  सहसचिव : सीरवी समाज, HSR लेआउट
- श्रीमान् किशनलालजी पगारिया चैन्नई
- श्रीमान् खिंवारामजी आगलेचा
  पूर्व अध्यक्ष : सीरवी समाज, बिलावास
- श्रीमान् मांगीलालजी चोयल
  अध्यक्ष : सीरवी समाज, बिलावास
- श्रीमान् छैलारामजी हाम्बड़ चैन्नई
- श्रीमान् छैलाराजी राठौड़, पूर्व अध्यक्ष सीरवी समाज, बिलावास

### विशाल गौ-भक्ति संध्या द्वारा प्रस्तुति

सुप्रसिद्ध
भजन सम्राट
श्री गजेन्द्रजी राव
एण्ड पार्टी

सुप्रसिद्ध
लोकगीत
भजन कलाकार
डॉ. अर्चना जी भार्गव

सुप्रसिद्ध
भजन कलाकार
कैलाश जी पंवार
बेंगलोर

### * कार्यकारिणी सदस्य *

चेयरमैन : श्रीमान् गजराज पगारिया
अध्यक्ष : श्रीमान् संघवी इन्द्रचंद बोहरा
उपाध्यक्ष : श्रीमान् खिवाराम आगलेचा
श्रीमान् गौतमचंद संचेती
श्रीमान् छैलाराम काग
श्रीमान् किशोरकुमार पगारिया
श्रीमान् मांगीलाल चोयल
श्रीमान् सुमतिलाल पगारिया

सचिव : श्रीमान् M. नरेन्द्रकुमार आच्छा
सह सचिव : श्रीमान् लक्ष्मणराम आगलेचा
श्रीमान् S. मोहनलाल बोहरा
श्रीमान् छैलाराम हाम्बड़
श्रीमान् देवाराम चोयल
कोषाध्यक्ष : श्रीमान् अमराराम चोयल
सहकोषाध्यक्ष : श्रीमान् हस्तीमल देसरला
श्रीमान् खीवाराम आगलेचा
श्रीमान् दलपतराज सोनी

### * कार्यकारिणी सदस्य *

श्री जसाराम परेरिया, श्री लक्ष्मीचंद संचेती, श्री सीताराम काग, श्री रमेश लुणीया, श्री भीकमचंद लुणिया, श्री विनोदकुमार लुणिया, श्री रमेश काग, श्री हंसराज पगारिया
श्री नारायणलाल परेरिया, श्री अमराराम मलावत, श्री थानाराम काग, श्री देवाराम भायल, श्री हिरालाल मलावत, श्री रमेश बोहरा, श्री मनोहरलाल गुलेच्छा, श्री निर्मल बोहरा
श्री किरणराज रायसोनी, श्री उत्तमचंद आच्छा, श्री नरेन्द्र बोहरा, श्री जगजीवनप्रकाश सोनी, श्री निर्मल संचेती, श्री नथमल पगारिया, श्री प्रसन पगारिया, श्री प्रकाश आच्छा
श्री ढगलाराम चोयल, श्री भंवरलाल देवड़ा, श्री मदनलाल प्रजापत, श्री तेजाराम आगलेचा, श्री हेमाराम हाम्बड़, श्री ढगलाराम आगलेचा, श्री नारायणलाल आगलेचा, श्री तेजाराम चोयल
श्री मोहनलाल मलावत, श्री भेराराम देवड़ा, श्री हरकचंद लुणिया, श्री मिथुन गुलेच्छा, श्री शांतिलाल गुलेचा, श्री नारायणलाल माली

निवेदक : श्री बिलावास गौशाला सेवा समिति, बिलावास - बेंगलोर

# आपातकालः मुख्यमंत्री यादव ने संघ परिवार की भूमिका को सराहा, कांग्रेस से की माफी की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भोपाल/भाषा।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर कहा कि लोकतंत्र की बहाली में संघ परिवार और तत्कालीन विपक्षी नेताओं का योगदान ऐतिहासिक था। उन्होंने कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व से आपातकाल के कलंक के लिए देश की जनता से माफी की मांग की।

यादव ने एक बयान में कहा कि आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों के संघर्ष के कारण भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा और जीवंत गणराज्य बन गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लगा दिया था और इस दौरान कई नेताओं, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया तथा प्रेस की आजादी पर भी अंकुश लगाया गया था। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आपातकाल लगाए जाने की बरसी को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मना रही है।

यादव ने कहा, ''लोकतंत्र की पुनर्स्थापना में संघ परिवार और तत्कालीन विपक्षी नेताओं का योगदान ऐतिहासिक है। भारतीय जनसंघ, जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित कई देशभक्त संगठनों ने लोकतंत्र की रक्षा और बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल के खिलाफ लड़ाई ठीक वैसी ही है जैसे देश की आजादी के लिए लड़ी गई थी। उन्होंने कहा, ''अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मोरारजी भाई देसाई, चौधरी चरण सिंह और अन्य प्रभावशाली विपक्षी नेताओं ने लोकतंत्र को बचाने के संघर्ष में साहसिक भूमिका निभाई।''

मुख्यमंत्री ने आपातकाल के खिलाफ और देश की आजादी के लिए लड़ने वालों को नमन करते हुए कहा, ''हमारी पार्टी और हमारे वैचारिक परिवार ने आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र को बचाने और भारत को एक मजबूत गणतंत्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।''

मुख्यमंत्री ने बाद में इंदौर में पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यह पार्टी हमेशा से संविधान का मखौल उड़ाती रही है। उन्होंने कहा,''देश पर आपातकाल का कलंक कांग्रेस के शासनकाल में लगा था और लोकतंत्र को बंदी बना लिया गया था। इसके लिए कांग्रेस के वर्तमान नेतृत्व को जनता से क्षमा मांगनी चाहिए।''

## भाजपा शासन में संविधान की धज्जियां उड़ाई गईं लेकिन पार्टी आपातकाल की बरसी मना रही : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**ग्वालियर/भाषा।** मध्यप्रदेश में कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पिछले 11 वर्षों में देश में संविधान की धज्जियां उड़ाई गईं लेकिन सत्तारूढ़ दल आपातकाल लागू होने की 50वीं बरसी मना रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा आपातकाल की बरसी मनाने का उद्देश्य खरीद-फरोख्त के जरिए निर्वाचित सरकारों को गिराना और दलितों, आदिवासियों व महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के अपने स्वयं के कुकृत्यों को छिपाना है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह, प्रदेश पार्टी प्रमुख जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर पीठ के परिसर में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने की मांग को लेकर यहां आयोजित विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। मेला ग्राउंड के पास सूर्य नमस्कार चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया गया। सिंह ने इस दौरान कहा, हम भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार को चेतावनी दे रहे हैं कि अगर वे उच्च न्यायालय की ग्वालियर पीठ परिसर में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने की अनुमति नहीं देते हैं, तो यह माना जाएगा कि वे संविधान के मुख्य निर्माता के खिलाफ हैं। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास गवाह है कि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने संविधान को जलाया और इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, आज यह साबित हो गया कि हम संविधान बचाने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि वे इसे संविधान हत्या दिवस के रूप में मना रहे हैं।

# आपातकालः दादी का जिक्र कर सिंधिया ने कांग्रेस को घेरा, विपक्षी दल का पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपनी दादी एवं भाजपा नेता दिवंगत विजयाराजे सिंधिया और आपातकाल का उल्लेख करते हुए बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधा, जिसको लेकर मुख्य विपक्षी दल ने पलटवार किया और कहा कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का ''दुष्प्रचार'' फैलाते समय अपने पिता माधवराव सिंधिया को नहीं भूलना चाहिए।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह सवाल भी किया कि क्या सिंधिया ने अपने पिता माधवराव सिंधिया से कभी नहीं पूछा कि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विरोधी क्यों थे? संचार मंत्री सिंधिया ने आपातकाल की बरसी के मौके पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विजयाराजे सिंधिया की प्रशंसा किए जाने का एक वीडियो 'एक्स' पर साझा किया। सिंधिया ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मेरी पूज्य आजी अम्मा, श्रद्धेय राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी ने राजपथ को त्याग कर लोकपथ की राह चुनी थी। लोकतंत्र और जनसेवा के प्रति उनकी निष्ठा ने भारतीय राजनीति को नई दिशा दी। आपातकाल के दिनों में भी लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए उन्होंने संघर्ष किया।'' उन्होंने दावा किया, ''तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उन्हें कई तरह की यातनाएं दी और अत्याचार किए। उनको जेल में भी डाला गया, लेकिन वह न झुकीं, न दबीं और न टूटीं। लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान के सम्मान के लिए वह अडिग रहीं।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''उनके विराट व्यक्तित्व और कृतित्व पर आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचार हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।''

खेड़ा ने सिंधिया पर पलटवार करते हुए कहा, ''पूज्य पिताजी का भी तो ज़िक्र करिए। कभी महाराज या भाजपा के दुष्प्रचार को फैलाने के लिए उन्हें भुला ही देंगे? दिवंगत माधवराव सिंधिया जी 1980 की इंदिरा सरकार में सांसद बने।'' उन्होंने कहा, ''आपने कभी अपने पिताजी से नहीं पूछा कि वो संघ के विरोधी क्यों थे? वह आपातकाल के विरोध में संघ का समर्थन क्यों नहीं करते थे?'' ज्योतिरादित्य सिंधिया पहले कांग्रेस में थे, लेकिन 2020 में वह भाजपा में शामिल हो गए थे। वर्तमान में वह मोदी सरकार में मंत्री हैं। उनके पिता माधवराव सिंधिया 1980 और 1990 के दशक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में शामिल थे। उनकी दादी विजयराजे भाजपा के संस्थापकों में से एक थीं।

## आपातकाल के गवाह बने लोग आज भी उसकी याद से कांप उठते हैं: शेखावत

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को कहा कि आपातकाल के दौरान एक स्वतंत्र राष्ट्र को फिर से ''गुलामी की जंजीरों'' में डाल दिया गया था और जिन लोगों ने 21 महीने का वह ''काला दौर'' देखा, वे आज भी उसके बारे में सोचकर कांप उठते हैं।

शेखावत ने 25 जून 1975 को आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूरे होने पर त्यागराज स्टेडियम में आयोजित ''संविधान हत्या दिवस'' कार्यक्रम में कहा कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हैं और संविधान की पवित्रता 1977 में बहाल कर दी गई थी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

शेखावत ने आपातकाल के दौरान लोगों पर किए गए अत्याचारों का जिक्र करते हुए कहा, ''आपातकाल के दौरान एक स्वतंत्र राष्ट्र को गुलामी की जंजीरों में जकड़ दिया गया था।''

## कांग्रेस को स्वीकार करना चाहिए कि आपातकाल की घोषणा एक बहुत बड़ी गलती थी : अकबर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

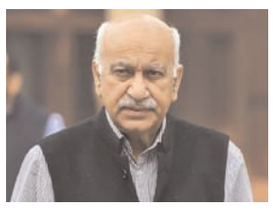

**पणजी/भाषा।** पूर्व केंद्रीय मंत्री एम जे अकबर ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस को यह ''स्वीकार करना चाहिए'' कि आपातकाल एक बहुत बड़ी गलती थी और आगे बढ़ना चाहिए। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 50 साल पहले इसी दिन देश में आपातकाल लगाया था।

यह पूछे जाने पर कि क्या भारतीय राजनीति की सबसे पुरानी पार्टी को अब भी ''अपराधबोध'' के साथ जीना चाहिए अकबर ने कहा, ''मुझे लगता है कि कांग्रेस को यह स्वीकार करना चाहिए कि यह (आपातकाल की घोषणा) एक बहुत बड़ी गलती थी, राष्ट्र पर हमला था और आगे बढ़ना चाहिए।'' वरिष्ठ पत्रकार ने कहा, ''आखिरकार, भारत में कई राजनीतिक दलों ने खुद को सुधारने के तरीके खोज लिए हैं। कांग्रेस ऐसा क्यों नहीं कर सकती?'' उन्होंने बल दिया कि भारतीय मतदाताओं ने 1977 में इंदिरा गांधी को हराने के बाद 1980 में उन्हें दोबारा सत्ता में लाकर अपनी ''समझदारी'' का परिचय दिया। अकबर कहा, ''जब जनता पार्टी का प्रयोग विफल हो गया और 1980 में जनता को फिर से वोट देने का मौका मिला तो उन्होंने एक स्थिर सरकार चुनी। वे अस्थिरता नहीं चाहते थे। इतिहास अक्सर गलतियों की कहानी के साथ-साथ सफलताओं की भी कहानी है। इसलिए कांग्रेस को इसे स्वीकार कर आगे बढ़ना चाहिए।'' उन्होंने कहा आपातकाल एक ऐसा दौर था जब बेकाबू राजनीतिक शक्ति और तानाशाही ने भारतीय लोकतंत्र के मूल्यों और सिद्धांतों का कत्लेआम किया।

## आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में सबसे अमानवीय कृत्य था : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जम्मू/भाषा।** जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर जम्मू में एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और कहा कि अगर लोग युवा पीढ़ी को सही संदेश देने में सफल हो जाएं तो फिर देश में तानाशाही कभी नहीं आएगी। उन्होंने आपातकाल को ''भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में सबसे अमानवीय कृत्य'' करार देते कहा कि आज 'संविधान हत्या दिवस' का आयोजन लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक नैतिकता के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि का अवसर है।

सिन्हा ने संवाददाताओं से कहा, ''मेरा मानना है कि नई पीढ़ी को इस काले अध्याय के बारे में पता होना चाहिए, जब लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया था। अगर हम उन्हें और लोगों को यह संदेश देने में सफल हो जाते हैं, तो मेरा मानना है कि इस देश में फिर कभी कोई तानाशाह नहीं आएगा और लोकतंत्र सुरक्षित रहेगा।'' उन्होंने दावा किया कि भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले दौर में देश की आत्मा को कुचल दिया गया, नागरिकों की स्वतंत्रता पर हमला किया, संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया और राष्ट्र निर्माण के सपनों को दफन कर दिया गया। आपातकाल के पीड़ितों को सम्मानित करते हुए सिन्हा ने कहा, हमें लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने और अपने देश की वृहद सफलता के लिए पूर्ण समर्पण के साथ काम करने का संकल्प लेना चाहिए।''

## केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पुणे मेट्रो के दूसरे चरण को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण को मंजूरी दे दी, जिसमें 12.75 किलोमीटर लंबे दो एलिवेटेड गलियारे शामिल हैं और इसे 3,626 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के अंतर्गत दो गलियारों - वनाज से चांदनी चौक और रामवाड़ी से वाघोली - को मंजूरी दी गई। ये गलियारे मौजूदा वनाज-रामवाड़ी गलियारे का विस्तार होंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ''ये दो एलिवेटेड गलियारे 12.75 किलोमीटर लंबे होंगे और इसमें 13 स्टेशन शामिल होंगे, जो चांदनी चौक, बावधन, कोथरुड, खराडी और वाघोली जैसे तेजी से विकसित हो रहे उपनगरों को जोड़ेंगे। परियोजना चार साल में पूरी होगी।'' उन्होंने कहा कि परियोजना की अनुमानित लागत 3,626.24 करोड़ रुपए है, जिसे भारत सरकार, महाराष्ट्र सरकार और बाह्य द्विपक्षीय/बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा समान रूप से साझा किया जाएगा। वैष्णव ने कहा, ''यह रणनीतिक प्रस्ताव मौजूदा गलियारे का तार्किक विस्तार है और व्यापक गतिशीलता योजना (सीएमपी) के अनुरूप है, जिसमें पुणे में पूर्व-पश्चिम से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए चांदनी चौक से वाघोली मेट्रो गलियारे तक एक सतत परियोजना की परिकल्पना की गई है।'' मंत्री ने कहा कि इस विस्तार से प्रमुख आईटी केंद्रों, वाणिज्यिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और आवासीय क्षेत्रों को बेहतर सेवा मिल सकेगी। उन्होंने कहा, ''नए गलियारे जिला न्यायालय इंटरचेंज स्टेशन को लाइन-1 (निगडी-कात्रज) और लाइन-3 (हिंजेवाड़ी-जिला न्यायालय) के साथ एकीकृत करेंगे, जिससे शहर में निर्बाध यात्रा संभव हो सकेगी।''

## हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने से मची तबाही, तीन लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**शिमला/भाषा।** हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बुधवार को बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में तीन लोग बह गए तथा कई घर, एक स्कूल भवन, संपर्क सड़कें और छोटे पुल क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कुल्लू जिले के सैंज में जीवा नाला और रेहला बिहाल तथा गड़सा क्षेत्र के शिलागढ़ में बादल फटने की तीन घटनाएं हुईं।

अधिकारियों ने बताया कि रेहला बिहाल में अपने घरों से सामान निकालने की कोशिश कर रहे तीन लोग बाढ़ में बह गए और लापता हैं।

कुल्लू के अतिरिक्त जिला आयुक्त (एडीसी) अश्विनी कुमार ने बताया कि जिले के मनाली और बंजार में भी अचानक बाढ़ आ गई। टीम मौके पर मौजूद है और तलाश अभियान जारी है।

## सीबीएसई के कक्षा 10वीं की परीक्षा साल में दो बार कराने से तनाव कम होगा : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई द्वारा 10वीं कक्षा की परीक्षाएं साल में दो बार कराने के फैसले की बुधवार को सराहना करते हुए इसे ''बहुत जरूरी कदम'' बताया और कहा कि इससे तनाव कम होगा, अधिक लचीलापन आएगा एवं शिक्षण के आनंदमय माहौल को बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने घोषणा की है कि 2026 से कक्षा 10वीं के छात्र एक शैक्षणिक सत्र में दो बार बोर्ड परीक्षा दे सकेंगे, लेकिन उनके लिए फरवरी में पहले चरण की परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य होगा। मई में दूसरे चरण की परीक्षा उन छात्रों के लिए वैकल्पिक होगा जो अपना प्रदर्शन सुधारना चाहते हैं। अगर कोई छात्र दोनों चरण की परीक्षा में शामिल होता है, तो दोनों चरण में से सबसे अच्छा स्कोर बरकरार रखा जाएगा। सीबीएसई ने 10वीं कक्षा के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है, जिसकी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसा की गई है। प्रधान ने 'एक्स' पर लिखा, यह सराहनीय और बहुत जरूरी कदम है। इससे परीक्षा का तनाव कम होगा, अधिक लचीलापन मिलेगा और सीखने का आनंदमय माहौल बनेगा।

## कांग्रेस ने संविधान को कुचला, उसके मूल्यों को दरकिनार किया : सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चंडीगढ़/भाषा।** आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने संविधान को कुचला और इसमें निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया। करनाल में 'संविधान हत्या दिवस' मनाने के लिए आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए सैनी ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता सेनानियों ने अंग्रेजों से आजादी पाने के लिए अपनी मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

सैनी ने कहा, ''उन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित रहें। उन्होंने ऐसे अत्याचारों का सामना किया ताकि आने वाली पीढ़ियां एक स्वतंत्र राष्ट्र में ताजी हवा में सांस ले सकें।''

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा आपातकाल लागू कर दिए जाने से 1975 में स्वतंत्र भारत के बावजूद यहां आजादी का दौर फिर से लौट आया था। सैनी ने आरोप लगाया, ''अपने हितों के लिए उन्होंने संविधान को कुचल दिया, उसे तोड़-मरोड़ दिया और उसके मूल्यों को दरकिनार कर दिया।'' कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि आज भी जो नेता संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं और इसे बचाने की बात करते हैं, वे जम्मू कश्मीर में तत्कालीन राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 की बहाली का समर्थन करते हैं। जम्मू कश्मीर से पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया। सैनी ने दावा किया, ''एक तरफ कांग्रेस संविधान बचाने की बात करती हैं, दूसरी तरफ वे कहते हैं कि अगर वे सत्ता में आए तो वे (जम्मू कश्मीर की) पुरानी स्थिति बहाल करेंगे। यह चौथी पीढ़ी (नेहरू परिवार की) किस संविधान की बात करती है? संविधान तोड़ना उनके डीएनए में है। वे इसकी रक्षा नहीं करते, बल्कि इसे तोड़ते हैं, कुचलते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि 50 साल बाद भी कांग्रेस ने आपातकाल के लिए माफी नहीं मांगी है। मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति का जिक्र करते हुए सैनी ने कहा, ''कांग्रेस के 55 साल के शासन के मुकाबले 11 साल को देखिए। लोकतंत्र सिर्फ चुनाव जीतने और सरकार बनाने तक सीमित नहीं है, यह जीवन जीने का तरीका है, एक मूल्य प्रणाली है और इसे समझना महत्वपूर्ण है।''

## निर्वाचन आयोग इस साल के अंत तक पांच और राज्यों में मतदाता सूची की गहन समीक्षा शुरू करेगा

**नई दिल्ली/भाषा।** बिहार के बाद, निर्वाचन आयोग इस वर्ष के अंत तक उन पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की गहन समीक्षा करेगा जहां 2026 में चुनाव होने हैं। अंततः, निर्वाचन आयोग देशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू करेगा, ताकि मतदाता सूचियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन किया जा सके। गहन समीक्षा के तहत, चुनाव अधिकारी त्रुटिरहित मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है और इन राज्यों में मतदाता सूचियों की गहन समीक्षा वर्ष के अंत तक शुरू हो जाएगी। हालांकि, चूंकि बिहार में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए निर्वाचन आयोग ने वहां तत्काल विशेष गहन पुनरीक्षण करने का निर्णय लिया है। विपक्षी दलों का आरोप है कि आयोग ने भाजपा की मदद के लिए मतदाता आंकड़ों में हेराफेरी की है। इसके बाद आयोग ने गहन पुनरीक्षण में अतिरिक्त कदम उठाए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अवैध प्रवासियों का नाम मतदाता सूची में दर्ज न हो। मतदाता बनने या राज्य के बाहर से आने वाले आवेदकों की एक श्रेणी के लिए एक अतिरिक्त 'घोषणा फॉर्म' पेश किया गया है।

## रिलायंस का गहन-प्रौद्योगिकी, उन्नत विनिर्माण कंपनी बनने का लक्ष्य : मुकेश अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने आने वाले समय में गहन-प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण कंपनी बनने का लक्ष्य रखते हुए कहा है कि उनका समूह हर तीन से पांच साल में कारोबार में पुनर्निवेश करता है।

प्रबंधन परामर्शदाता 'मैकिन्से एंड कंपनी' की लीडिंग एशिया सीरीज को दिए एक साक्षात्कार में अंबानी ने कंपनी के भविष्य के बारे में अपना दृष्टिकोण साझा किया। इस दौरान अंबानी ने कहा कि बाध्य होने से पहले कारोबार में नया निवेश करना, भविष्य पर बड़ा दांव लगाना और दीर्घकालिक प्रभाव पर टिके रहना उनकी कार्यशैली का हिस्सा है। रिलायंस में पुनर्निवेश का मतलब दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी का निर्माण करना, पूरे भारत में 4जी संपर्क शुरू करना और जियो के जरिये भारत को डिजिटल बनाने के लिए 25 अरब डॉलर का निवेश करना है। यह समूह अब सौर, बैटरी, हाइड्रोजन और जैव-ऊर्जा को शामिल करते हुए हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा के लिए दुनिया की सबसे बड़ी विनिर्माण पारिस्थितिकी में से एक का निर्माण कर रहा है।

अंबानी ने कहा कि प्रौद्योगिकी परिदृश्य तेजी से बदल रहा है और अगली पीढ़ी के लिए मुख्य चुनौती इस नई व्यवस्था में सफल होना होगा। उन्होंने कहा, ''भविष्य के व्यवसायों को भविष्य की प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल में कुशल होना होगा। इसलिए, हमारा लक्ष्य हमेशा यही रहा है कि कारोबार का हमारा नजरिया और उद्देश्य प्रभाव-आधारित होना चाहिए।'' बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी के मुखिया ने कहा, ''यह रिलायंस के डीएनए में है। सही प्रतिभा होने और सही लक्ष्य होने पर हम यह पता लगा लेंगे कि हमें कहां पहुंचना है, हम क्या करना चाहते हैं।'' उन्होंने रिलायंस समूह के संस्थापक और अपने दिवंगत पिता धीरूभाई अंबानी को याद करते हुए कहा कि भारत को एक समृद्ध राष्ट्र बनाने औऱ सभी देशवासियों को एक बेहतर जीवन में योगदान देना शुरू से ही कंपनी का मकसद था और यह आज भी कायम है। अंबानी ने कहा, ''हमारी व्यावसायिक रणनीति में बदलाव होता रहता है। आज भी, हम अपने व्यवसाय को हर तीन, चार या पांच साल में नया रूप देते हैं।'' अंबानी ने कहा कि गहन प्रौद्योगिकी (डीप-टेक) के लिए महत्वाकांक्षा दूरसंचार क्षेत्र में जियो की 5जी सेवाओं की शुरुआत से पैदा हुई थी क्योंकि सेवा से जुड़े हरेक पहलू का निर्माण खुद ही करना था।

## ईडी ने बैंक ऋण 'धोखाधड़ी' मामले में दिल्ली-एनसीआर, पंजाब में छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली में पंजीकृत दिवालिया कंपनी के पूर्व प्रवर्तकों के खिलाफ 989 करोड़ रुपए के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में बुधवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और पंजाब में कई जगहों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि ऑटोमोबाइल और टेलीकॉम क्षेत्र के लिए बिजली के तार और केबल का डिजाइन एवं निर्माण करने वाली दिल्ली स्थित शिल्पी केबल्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एसीटीएल) कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया हैं कंपनी के खिलाफ 2017 में दिवालिया की कार्रवाई शुरू की गई थी। सूत्रों ने कहा कि धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दिल्ली-एनसीआर में नौ परिसरों और जालंधर में एक परिसर पर छापेमारी की गई। ईडी ने इस मामले में पहली बार दिसंबर, 2024 में छापेमारी की थी। उन्होंने कहा कि धन शोधन का मामला 2021 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक प्राथमिकी से सामने आया है, जिसमें कंपनी के प्रवर्तकों और अन्य सहयोगियों द्वारा आईडीबीआई बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के एक संघ से 998 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

सूत्रों ने बताया, ''सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि उक्त इकाई ने व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए बैंकों से ऋण लिया और जिन उद्देश्यों के लिए ऋण लिया गया था उनके बजाय बैंक के धन का किसी और उद्देश्य में इस्तेमाल किया गया।''

ईडी ने पिछले साल जारी एक बयान में कहा था, ''इसके बाद प्रवर्तकों ने ऋण चुकाने में चूक की, जिससे बैंकों को 989 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।''

# कावेरी आरती कार्यक्रम का प्रारूप दो-तीन दिन में घोषित किया जाएगा : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किसानों से मुलाकात करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, कावेरी आरती कार्यक्रम का प्रारूप अगले दो-तीन दिन में घोषित किया जाएगा। कुछ लोग गलतफहमी के कारण इस कार्यक्रम का विरोध कर रहे हैं। मैं फिर से सभी से मिलूंगा। यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। विधानसभा में ऐतिहासिक कावेरी आरती कार्यक्रम के संबंध में मंड्या जिले के किसानों और अन्य संगठन के नेताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करने के बाद उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को एक मीडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

उन्होंने कहा, कावेरी नदी बेंगलूरु शहर, मंडया, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल के किसानों के लिए सहारा है। हमारा मानना है कि अगर प्रयास विफल भी हो जाएं, तो प्रार्थना विफल नहीं होती। इस देश में गंगा आरती और हमारे राज्य में तुंगा आरती की जाती है। अब हमने कावेरी आरती करने का फैसला किया है। केआरएस वृंदावन पार्क में हजारों पर्यटक आते हैं, इसे और बढ़ाया जाना चाहिए। इसके लिए हमें इसका आकर्षण और बढ़ाना चाहिए। यह कार्यक्रम मां कावेरी की पूजा, रोजगार सृजन, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और पर्यटन को आकर्षित करने के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा, चामुंडी हिल्स में एक प्राधिकरण का गठन और विकास किया जा रहा है।

उन्होंने बताया टीवीएस कम्पनी समेत कई कंपनियां अपने सीएसआर फंड से मंदिरों का विकास कर रही हैं। कावेरी आरती के पायलट कार्यक्रम के तौर पर बेंगलूरु के सैंकी झील में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। हालांकि कुछ लोगों ने इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया, लेकिन अदालत ने आखिरकार कार्यक्रम की अनुमति दे दी। करीब 25 हजार लोगों ने कार्यक्रम देखा। यह लोगों की भावना है। मां कावेरी सभी वर्गों की संपत्ति है। कावेरी के बिना बेंगलूरु में पानी नहीं रहेगा, उद्योग और कृषि के पास पानी नहीं रहेगा। हम अपने राज्य और तमिलनाडु को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मेकेदातु परियोजना के लिए अनुमति पाने के लिए लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम को जल संसाधन, धार्मिक बंदोबस्ती, कन्नड़ और संस्कृति, बीडब्ल्यूडी, पर्यटन और ऊर्जा विभागों द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा। हमने चालुवरायस्वामी के नेतृत्व में 20 विधायकों और नेताओं की एक टीम को उत्तर भारत का दौरा करने और हर जगह आरती कार्यक्रम का अध्ययन करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भेजा है, और हमने उस रिपोर्ट के आधार पर कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया है।

जब उनसे पूछा गया कि किसान इसका विरोध क्यों कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, उन्होंने यह मुद्दा इसलिए उठाया क्योंकि इस कार्यक्रम से बांध को कुछ नुकसान हो सकता है। जिस जगह यह कार्यक्रम हो रहा है, वह बांध से काफी दूर है। हम उस जगह का सौंदर्यीकरण कर रहे हैं और यह कार्यक्रम वहीं कर रहे हैं, जहां से पानी बहकर बेंगलूरु जाता है। कुछ लोगों को इन मुद्दों की जानकारी नहीं है। इसलिए वे चिंता जता रहे हैं कि बांध को कम या ज्यादा नुकसान हो सकता है। इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। बांध के मुद्दे में हमारी भी जिम्मेदारी है। यह कार्यक्रम मां कावेरी की प्रार्थना करने का कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में कोडगु, मंगलूरु, मैसूर, मंडया की संस्कृति मौजूद रहेगी। इससेकरीब 2 हजार लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा।

## कांग्रेस ने आपातकाल थोप कर अपने अस्तित्व को देश के लोकतंत्र की आत्मा से ऊपर रखा : येडीयुरप्पा

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बी एस येडीयुरप्पा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस ने देश में 50 वर्ष पहले आपातकाल लगा कर अपने अस्तित्व को भारत के लोकतंत्र की आत्मा के ऊपर रखा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री रह चुके भाजपा नेता ने याद किया कि उस समय वह एक युवा कार्यकर्ता थे और आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 'तानाशाही' का विरोध करने के लिए उन्हें जेल में डाल दिया गया था। येडीयुरप्पा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारतीय लोकतंत्र पर गहरे हमले की आज 50 वीं बरसी है, कांग्रेस ने आज के दिन 1975 में आपातकाल लागू किया था। मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था। संविधान का गला घोंट दिया गया था। संसद को चुप करा दिया गया था। प्रेस की आवाज को बंद कर दिया गया था। भाजपा नेता ने कहा, यह युद्ध या राष्ट्रीय संकट नहीं था, बल्कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अयोग्य ठहराए जाने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री (इंदिरा गांधी) का एक हताश प्रयास था।

## शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा भारत के लिए गौरवपूर्ण उपबलब्धि, युवाओं के लिए प्रेरणा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सिओम-4 के सुरक्षित और सफल मिशन की कामना करते हुए कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा भारत के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है और देश के युवाओं के लिए प्रेरणा है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित वाणिज्यिक मिशन के तहत बुधवार को तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के लिए रवाना होकर इतिहास रच दिया।

रूसी अंतरिक्ष यान के जरिये प्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की अंतरिक्ष यात्रा के 41 साल बाद किसी भारतीय की यह यात्रा हो रही है।

सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर कहा, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सिओम-4 मिशन पर अंतरिक्ष में जाते हुए देखकर बहुत खुशी हुई। उनकी यात्रा भारत के लिए एक गौरवपूर्ण मील का पत्थर है और हमारे युवाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा, मैं उन्हें और एक्स-4 टीम को सुरक्षित और सफल मिशन की शुभकामनाएं देता हूं। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने इसे भारत के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा, 41 साल बाद तिरंगा अंतरिक्ष में लौट रहा है। एक्सिओम मिशन 4 के मिशन पायलट विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना होने पर हार्दिक बधाई। शिवकुमार ने 'एक्स' पर लिखा, आपकी (शुक्ला की) यात्रा सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धित नहीं है – यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। आपको सुरक्षित, सफल मिशन और शानदार वापसी की शुभकामनाएं। जय हिंद!

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने शुक्ला को बधाई देते हुए इसे ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, 41 वर्षों के बाद, आप राकेश शर्मा की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, तथा अंतरिक्ष में भारत के भविष्य के लिए नए सपने बुन रहे हैं। यह ऐतिहासिक भागीदारी वैश्विक वैज्ञानिक सहयोग में भारत के बढ़ते कद को दर्शाती है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व तथा नवाचार के प्रति हमारी निरंतर खोज से प्रेरित है।

## विधानसभा अध्यक्ष खादर ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नई दिल्ली में कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर फरीद ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और 9 और 10 सितंबर को 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र सम्मेलन की मेजबानी के लिए कर्नाटक को चुनने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। सम्मेलन में सभी भारतीय राज्यों की पीठासीन शक्तियां भाग लेंगी और पहली बार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रमंडल देशों की पीठासीन शक्तियों के निमंत्रण और सम्मेलन में चर्चा किए जाने वाले मुद्दों पर भी चर्चा की।

अध्यक्ष ने कर्नाटक विधानसभा में हाल ही में लागू किए गए कई प्रगतिशील बदलावों और 8 सितंबर को विधान सौधा की भव्य सीढ़ियों पर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह की जानकारी भी अध्यक्ष को दी। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वे कर्नाटक के इतिहास में अंतरराष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित करने में पूरा सहयोग देंगे। इस अवसर पर कर्नाटक विधानसभा सचिव एम.के. विशालाक्षी और लोकसभा सचिवालय के अधिकारी उपस्थित थे।

## सिद्दरामय्या कांग्रेस के असंतुष्ट विधायकों से बात करके मुद्दे सुलझाएंगे : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या कांग्रेस के असंतुष्ट विधायकों से बात करेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। परमेश्वर का यह बयान ऐसे समय आया है जब कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के कुछ विधायकों ने घूसखोरी और प्रशासन के चरमरा जाने के आरोप लगाए हैं, जिससे सरकार को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है।

कागवाड से कांग्रेस विधायक राजू कागे ने इस्तीफा देने का संकेत दिया है। उन्होंने विकास कार्यों और धनराशि जारी होने में देरी की बात कही है। उन्होंने साथ ही आरोप लगाया कि प्रशासन पूरी तरह से चरमरा गया है। इसके अलावा, आलंद से कांग्रेस विधायक बी. आर. पाटिल ने सार्वजनिक आवास आवंटन में घूसखोरी का हाल ही में आरोप लगाया है, जबकि सागर से कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने इन आरोपों के चलते आवास मंत्री जमीर अहमद खान के इस्तीफे की मांग की है। इस सवाल पर कि क्या आंतरिक विवादों का सरकार पर असर पड़ रहा है, परमेश्वर ने कहा, उन्होंने (विधायकों ने) अपने निर्वाचन क्षेत्रों से जुड़ी समस्याएं उठायी हैं, लेकिन क्या उन्होंने राज्य स्तर के मुद्दे उठाए हैं? उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं के बारे में बात की है और अपने इलाकों में विकास कार्यों के लिए समय पर कोष जारी करने की मांग की है। मुख्यमंत्री इन मामलों को सुलझा देंगे।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, सभी विधायकों को पहले ही निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में 50 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लिए एक कार्ययोजना तैयार करें। मुख्यमंत्री ने खुद यह आश्वासन दिया है कि विपक्ष के विधायकों को कोष उपलब्ध कराया जाएगा। मेरे सहित सभी अपने क्षेत्र के लिए कार्ययोजना बना रहे हैं। क्या हम बिना कोष के यह कर सकते हैं?

यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस आलाकमान ने मुख्यमंत्री को असंतुष्ट विधायकों से बात करने के निर्देश दिए हैं, परमेश्वर ने कहा, मुख्यमंत्री दिल्ली में हैं और उन्होंने पार्टी नेतृत्व से मुलाकात की है। मुझे नहीं पता कि उस बैठक में क्या चर्चा हुई या क्या ऐसे निर्देश दिए गए हैं। अगर मुख्यमंत्री से विधायकों से बात करने के लिए कहा जाता है तो वे वैसा करेंगे। इस ओर ध्यान दिलाये जाने पर कि कागवाड के राजू कागे सहित कई विधायकों के लिए मंत्रियों से सम्पर्क करने में दिक्कत एक प्रमुख चिंता है, तो परमेश्वर ने कहा, शायद कागे जी को व्यक्तिगत तौर पर इसका सामना करना पड़ा होगा। मैं इसे नकार नहीं सकता, क्योंकि उन्होंने ऐसा कहा है। मुख्यमंत्री इस मुद्दे को सुलझा देंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की एक बैठक में विधायकों को ऐसे मुद्दे उठाने का मौका दिया गया था, जहां कुछ विधायकों ने मंत्रियों को विधायकों से मिलने के निर्देश देने की मांग की।

उन्होंने कहा, यह कोई बड़ी समस्या नहीं है, हम इसे सुलझा लेंगे। मुख्यमंत्री इसे देखेंगे। ऐसी छोटी-छोटी समस्याएं सामान्य हैं। किस सरकार में विधायकों की शिकायतें नहीं होतीं? असली चुनौती यह है कि उनकी सभी मांगें पूरी नहीं हो सकतीं। लेकिन मुख्यमंत्री इसका समाधान करेंगे।

कागे सहित कुछ विधायकों के यह आरोप लगाने पर कि अधिकारी विधायकों की बात नहीं सुनते, गृहमंत्री ने कहा कि जब मुख्यमंत्री उनसे बातचीत के लिए बुलाएंगे, तब ये मुद्दे उठाए जा सकेंगे। उन्होंने कहा, यह सारी बातें उस समय चर्चा में आ सकती हैं। आपातकाल की बरसी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा कांग्रेस पर निशाना साधे जाने के सवाल पर परमेश्वर ने कहा कि भाजपा इस मुद्दे को राजनीतिक लाभ के लिए ज़िंदा रखना चाहती है।

उन्होंने कहा, पचास साल बीत गए है, आपातकाल अब इतिहास का हिस्सा है। अगर वे (भाजपा) इसे अभी भी मनाना चाहते हैं, तो इसका मतलब क्या है? यह केवल राजनीति है। यह इतिहास है-हमें आगे देखना चाहिए और प्रगति के बारे में सोचना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भविष्य की बात करते हैं, तो वे भारत के अगले 50 वर्षों के लिए योजना बनाएं-अतीत पर क्यों अटके रहें?

## कलबुर्गी शहर के बाहरी इलाके में तीन लोगों की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी/दक्षिण भारत। पुलिस ने बुधवार को बताया कि दो परिवारों के बीच पुरानी रंजिश के कारण शहर के बाहरी इलाके पट्टन गांव के पास एक ढाबे पर बदमाशों ने कथित तौर पर तीन लोगों की हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अपराध के सिलसिले में सात लोगों को हिरासत में लिया गया है और मामले की जांच जारी है। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना मंगलवार मध्य रात्रि के बाद घटित हुई।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: 04-CWS-MYSS-2025-26 दिनांक: 20.06.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

| कार्य का नाम | अनुमानित लागत |
|---|---|
| एलएचबी-एसी कोचो में कोच शौचालयों का उन्नयन। | रु. 22,46,76,777.41 |

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 12.07.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य कार्यशाला प्रबंधक मैसूरु
PUB/222/AAF/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

## हर जिले में सुपर स्पेशियलिटी, ट्रॉमा और कैंसर अस्पताल होंगे : डॉ. शरणप्रकाश पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य भर में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए एक दृढ़ कदम उठाते हुए, चिकित्सा शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता, आजीविका मंत्री और रायचूर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. शरणप्रकाश पाटिल ने घोषणा की कि राज्य सरकार अगले तीन वर्षों के भीतर हर जिले में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, ट्रॉमा सेंटर, कैंसर अस्पताल और हृदय देखभाल अस्पताल स्थापित करेगी। बुधवार को यहां केपीसीसी कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, मंत्री ने कहा, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व में हमारी सरकार कर्नाटक को एक स्वस्थ राज्य में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। तदनुसार, चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एक व्यापक तीन साल का विकास रोडमैप तैयार किया है। उन्होंने आगे कहा कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नागरिकों को हर जिले में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार तक आसान और सस्ती पहुंच मिले। सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

डॉ. पाटिल ने यह भी बताया कि हुबल्ली और बेलगावी क्षेत्रों में जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज की शाखाएँ स्थापित की जाएँगी, और इन इकाइयों का जल्द ही उद्घाटन किया जाएगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग में 100 प्रतिशत पारदर्शिता है। हमारी प्रणाली में कोई सीट ब्लॉकिंग नहीं है। सभी मेडिकल सीटें कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) के माध्यम से पूरी तरह से योग्यता के आधार पर आवंटित की जाती हैं, उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में स्पष्ट किया। मंत्री ने कहा कि राज्य में 800 स्नातक और 600 स्नातकोत्तर मेडिकल सीटें बढ़ाने के लिए केंद्र को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

डॉ. पाटिल ने कहा कि विभाग को पार्टी कार्यकर्ताओं से फीडबैक और सुझाव मिले हैं कि कहाँ अस्पताल उन्नयन की आवश्यकता है। कई नई पहलों को लागू किया गया है और चिकित्सा शिक्षा विभाग में सुधार उपाय पहले से ही चल रहे हैं। कलबुर्गी में एक नए जयदेव अस्पताल का उद्घाटन किया गया है। मैसूरु में एक और इकाई पहले से ही मौजूद है, और अगले साल हुब्बल्ली में 400 बिस्तरों वाला जयदेव अस्पताल का उद्घाटन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि काम अभी प्रगति पर है। डॉ. शरणप्रकाश पाटिल ने कहा कि युवा निधि योजना के तहत लगभग 2.86 लाख युवाओं ने पंजीकरण कराया है। हम इस योजना के सुचारू और अधिक प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कुछ सुधार ला रहे हैं।

## भ्रष्टाचार के कारण राज्य सरकार दिशाहीन हो गई है : बोम्मई

### मजाक में ही सही, डॉ. परमेश्वर ने सच कहा है, वे प्रशंसा के पात्र हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य सरकार भ्रष्टाचार में डूब चुकी है और दिशाहीन हो गई है, जिससे जनता में निराशा है। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि गृह मंत्री डॉ. परमेश्वर ने मजाक में ही सही, यह कहकर सच कहा है कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के पास कोई फंड नहीं है और इसके लिए उन्हें बधाई दी जानी चाहिए। बुधवार को यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. परमेश्वर ने सार्वजनिक रूप से खुलासा किया था कि मुख्यमंत्री के पास पैसा नहीं है। हालांकि बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मजाक में कहा गया था, लेकिन यह अभी भी सच है। इसके लिए उन्हें बधाई दी जानी चाहिए। सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों द्वारा अपनी ही सरकार पर आरोप लगाने के बारे में पूछे जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कांग्रेस को सत्ता में आए ढाई साल हो गए हैं और विधायकों को कोई

अनुदान नहीं मिला है, जिसके कारण वे काम करने में असमर्थ हैं। अगर ऐसा ही चलता रहा तो अगले ढाई साल में जनता का सामना करना नामुमकिन हो जाएगा। सरकार के पास पैसे नहीं हैं। हर जगह भ्रष्टाचार है- हर स्तर पर, हर पैमाने पर और यहां तक कि वर्क ऑर्डर लेने में भी। कांग्रेस के कुप्रबंधन की वजह से लोग अपनी गाढ़ी कमाई भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में खर्च करने को मजबूर हैं। बोम्मई ने कहा कि स्मार्ट मीटर जो कभी 500-600 रुपये में मिलते थे, अब 6000-7000 रुपये में मिल रहे हैं और सरकार इसका खर्च नहीं उठा रही है- बल्कि जनता से वसूल रही है। जनता से लिए गए पैसे से भ्रष्टाचार कर रही है। सरकार ने किसानों को मिलने वाली दूध सब्सिडी के 750 करोड़ रुपये जारी नहीं किए हैं। उन्होंने दूध संघों से दूध के दाम बढ़ाने को कहा है, जिससे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। आबकारी विभाग में गरीबों द्वारा पी जाने वाली सस्ती शराब पर अधिक कर लगा दिया गया है। आबकारी डीलरों ने विरोध किया है, पीडब्ल्यूडी और बिजली विभाग के ठेकेदारों ने भी इसका विरोध किया है। फिर भी सरकार ने एक शब्द भी नहीं कहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस नेताओं ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जमकर हंगामा किया था। अब पूरी सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है और दिशाहीन हो गई है। लोग तंग आ चुके हैं। जब डॉ. परमेश्वर के आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर दिए गए बयान के बारे में पूछा गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा आगे बढ़ने के बजाय पीछे जा रही है, तो बोम्मई ने कहा कि परमेश्वर अपने राजनीतिक लाभ के लिए कुछ भी करते हैं।

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड
IREL (India) Limited
(पूर्व में इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड)
रेयर अर्थ्स डिविजन, कोबि, केरल, ईमेल : purchase-red@irel.co.in
सीआईएन : U15100MH1950GOI008187
एक आईएसओ 9001:2015, आईएसओ 14001:2015 एवं आईएसओ 45001:2018 कंपनी
निविदा सूचना
आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड, रेयर अर्थ्स डिविजन निम्नलिखित आइटम/नौकरी विवरण के लिए निविदा आमंत्रित करता है:

| आइटम/नौकरी का विवरण | जीईएम पोर्टल पर निविदा की उपलब्धता |
|---|---|
| सोडा ऐश की खरीद | 26.06.2025 14.00 बजे |

विस्तृत जानकारी के लिए निम्नलिखित वेबसाइट देखें:
gem.gov.in, www.irel.co.in/tender-information https://eprocure.gov.in/cppp
उपर्युक्त निविदाओं में कोई भी शुद्धिपत्र / विस्तार केवल उक्त वेबसाइटों पर प्रस्तुत किया जाएगा।
दिनांक : 18.06.2025 ह/-
CBC 48145/12/0003/2526 जीएम एवं प्रमुख,आरईडी

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 17 हुब्बल्ली 2025-26 दिनांक : 23.06.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

| क्र.सं | कार्य का नाम | अनुमानित मूल्य |
|---|---|---|
| 1 | हुबली डिवीजन- एसई/वर्क्स/क्वार्टर्स/हुबली के कार्याधिकार क्षेत्र में ईएमडी शेड हेतु विविध वार्षिक अनुरक्षण गतिविधियां (विशेष कार्य-07). | रू 90,80,462.00 |
| 2 | हुबली डिवीजन-केशवपुर बडा, छोटा और न्यू विनोबा नगर वाइब्रेंट कॉलानी ओल्ड हास्पिटल कालोनी के लिए विविध वार्षिक अनुरक्षण गतिविधिया (विशेष कार्य-8) | रू 2,12,94,720.00 |
| 3 | हुबली डिवीजन-गोल्फ लिंक कॉलोनी, ब्रूक रोड अधिकारी कॉलोनी, हास्पिटल कालोनी के पीछे, रेलवे अधिकारी क्लब और आसपास की कालोनी, विल्ली ग्राउण्ड, अधिकारी विश्राम गृह अन्य सभी सेवा भवन और क्षेत्र, जो कि एसई/वर्क्स/एसडब्ल्यू/हुबली के कार्याधिकार क्षेत्र में आते हैं, के लिए विविध वार्षिक अनुरक्षण गतिविधियां। (विशेष कार्य-8/ए) | रू 3,27,67,647.00 |
| 4 | हुबली डिवीजन-एसएसई/वर्क्स/क्वार्टर्स के कार्याधिकार क्षेत्र में क्वार्टर्स और सेवा भवनों के लिए विविध वार्षिक अनुरक्षण गतिविधियां (विशेष कार्य-9) | रू 2,81,40,461.00 |
| 5 | हुबली डिवीजन-एमटीएस कालोनी डेवरगुडिहल, ओबालापुर देशपाण्डे नगर, रेल नगर कालोनी, न्यू विध्यानारायण कालौनी, सभी कालोनी पाइपलाइन वर्क्स-हुबली रेलवे स्टेशन सहित, के लिए विविध वार्षिक अनुरक्षण गतिविधियां (विशेष कार्य-10/ए) | रू 3,36,63,646.00 |
| 6 | हुबली डिवीजन-हुबली स्टेशन, सभी सेवा भवनों सहित और जेई/वर्क्स/स्टेशन के तहत, एसएसई/डब्ल्यू/एसडब्ल्यू/हुबली के कार्याधिकार में आने वाले क्षेत्र के लिए विविध वार्षिक अनुरक्षण कार्य (विशेष कार्य-11) | रू 2,18,17,296.00 |
| 7 | हुबली डिवीजनः एसई/वर्क्स/धारवाड़ के कार्याधिकार क्षेत्र के तहत आने वाले क्वार्टर्स और सेवा भवन तथा क्षेत्र हेतु विविध वार्षिक अनुरक्षण गतिविधियां.(विशेष कार्य-12) | रू 82,14,787.00 |

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि : 22.07.2025 को 11.00 बजे तक
For details log on : www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्वयन, हुब्बल्लि
PUB/226/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

## हत्या मामले के संदिग्ध का घर आग के हवाले किया गया, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। कर्नाटक के हावेरी में स्थानीय ठेकेदार शिवानंद कुन्नूर की हत्या के बाद उसके परिवार के सदस्यों ने शिगगांव में मुख्य आरोपी के घर को कथित तौर पर आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, क्योंकि उस समय घर में कोई नहीं था। मंगलवार को घर लौटते समय दिनदहाड़े बेरहमी से हमला करके कुन्नूर (40) की हत्या कर दी गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि लोहे की छड़, चाकू और तलवार लिए हमलावरों ने बार-बार उनकी गर्दन और सिर पर हमला किया। एक प्रत्यक्षदर्शी द्वारा बनाई गई वारदात की वीडियो वायरल हो गई। शिगगांव थाने में दर्ज एक मामले में नागराज सवादत्ती नामक व्यक्ति को मुख्य आरोपी के रूप में नामजद किया गया है। इसके अलावा हनुमंत, अशरफ, सुदीप और सुरेश को सह-साजिशकर्ता बताया गया है।

पुलिस ने बताया कि बुधवार की सुबह कुन्नूर के परिवार ने कथित तौर पर नागराज के घर पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। पुलिस ने कहा कि आग लगने से मकान को काफी नुकसान पहुंचा है, लेकिन चूंकि उस समय घर में कोई नहीं था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

## टैंकर में आग लगी, चालक जिंदा जला

जयपुर/दक्षिण भारत। जयपुर के पास बुधवार सुबह रसायन से भरे एक टैंकर में आग लग गई जिससे चालक जिंदा जल गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार हादसा जयपुर-अजमेर राजमार्ग पर मोखमपुरा के पास हुआ। रसायन से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर राजमार्ग पर पलट गया और उसमें आग लग गई। पुलिस ने बताया कि चालक राजेंद्र केबिन के अंदर फंस गया और जिंदा जल गया। वहीं टैंकर के पलटकर आग लगने के बाद राजमार्ग से गुजर रहे अन्य वाहन रुक गए और उनमें सवार लोग उतरकर पास के खेतों में चले गए। हालांकि किसी के घायल होने का समाचार नहीं है। राजमार्ग पर काफी देर जाम लगा रहा और पुलिस व दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

## रणथम्भौर में गणेश मंदिर मार्ग पर बाघ के आने से श्रद्धालुओं में दहशत

भरतपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में सवाई माधोपुर जिले के रणथंभौर में बुधवार को त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर अचानक बाघ आने से श्रद्धालुओं में दहशत फैल गयी। जंगल से निकल कर त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर आया बाघ करीब 15 मिनट वहां टहलता रहा। इससे श्रद्धालु एवं पर्यटक बुरी तरह से सहम गए। इस दौरान यहां चौपाहिया वाहनों की लंबी कतार लग गई। चहलकदमी के बाद बाघ ने जंगल की ओर रुख किया जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। वन विभाग की ओर से अभी इसकी पुष्टि नहीं की गई है कि यह कौनसा बाघ था। रणथम्भौर में पिछले करीब ढाई महीने में बाघ के हमलों में तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें सात वर्षीय बालक कार्तिक सुमन को बाघ ने त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर ही हमला करके मार दिया था। जबकि रेंजर देवेंद्र सिंह और रणथम्भौर स्थित जैन मंदिर के चौकीदार राधेश्याम माली की भी बाघ के हमले में मौत हुई थी। इसके लिये जिम्मेदार बाघिन टी-84 के तीनों शावकों को रणथंभौर से बाहर भेज दिया। इससे श्रद्धालुओं के बीच राहत की सांस के साथ यह अनुमान लगाया जा रहा था कि अब त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर बाघों का खतरा टल गया है, लेकिन सुबह फिर से यहां बाघ की मौजूदगी ने श्रद्धालुओं की चिंता में इजाफा कर दिया है।

## युवक ने प्रेमिका की हत्या की

उदयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के उदयपुर में एक युवक ने अपनी प्रेमिका की कथित तौर पर हत्या कर दी क्योंकि लड़की की सगाई किसी और के साथ हो गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने बाद में अपनी कलाई काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि यह घटना हिरणमगरी थाना क्षेत्र के परशुराम इलाके के एक होटल में हुई। पुलिस ने बताया कि उदयपुर के सेक्टर-3 का रहने वाले आरोपी विजय भोई के कथित तौर पर निकिता के साथ संबंध थे। थानाधिकारी भरत योगी ने बताया कि दोनों की 'इंस्टाग्राम' के जरिए दोस्ती हुई थी और बाद में दोनों में प्यार हो गया। उन्होंने बताया कि हालांकि, जब निकिता के परिजनों को इस रिश्ते के बारे में पता चला तो उन्होंने इस पर आपत्ति जताई और दूसरे व्यक्ति से उसकी सगाई तय कर दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद लड़की ने भोई से बातचीत करना बंद कर दिया। योगी ने बताया कि हाल ही में निकिता अपनी पढ़ाई के लिए उदयपुर लौटी। उन्होंने बताया कि भोई ने उससे फिर संपर्क किया और आखिरी बार मिलने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि सोमवार को दोनों एक होटल में मिले, जहां उसकी सगाई को लेकर बहस हुई। उन्होंने बताया कि कहासुनी के दौरान भोई ने उसके सिर को कथित तौर पर दीवार पर दे मारा, जिससे लड़की के सिर में गंभीर चोट आई और वह अचेत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना के बाद भोई ने कथित तौर पर अपनी कलाई ब्लेड से काटकर आत्महत्या करने की कोशिश की, हालांकि वह तुरंत होटल से निकल गया और अस्पताल में भर्ती हो गया। उन्होंने बताया कि यह मामला मंगलवार सुबह तब प्रकाश में आया जब होटल के कर्मचारी सफाई के लिए कमरे में दाखिल हुए और लड़की को मृत पाया। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और होटल में 'चेक-इन' के समय दिये गए 'पहचानपत्र' के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान की और उसे पकड़ लिया।

## राजस्थान में अनेक जगह भारी बारिश

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के विशेषकर पूर्वी भागों में मानसून की तेज बारिश का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में सबसे अधिक 190 मिलीमीटर बारिश बांसवाड़ा के सल्लोपट में हुई। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। विभाग के अनुसार, बुधवार को सुबह तक, बीते चौबीस घंटे के दौरान पूर्वी राजस्थान में अनेक स्थानों पर बादलों की गरज के साथ बारिश हुई। कहीं कहीं भारी से अतिभारी बारिश दर्ज की गई। पश्चिमी राजस्थान में भी बारिश का दौर जारी रहा। इस दौरान सर्वाधिक 190 मिमी. बारिश बांसवाड़ा के सल्लोपट में दर्ज की गई। राज्य के कई जिलों में अब भी गर्मी का सितम जारी है और मंगलवार दिन में सर्वाधिक अधिकतम तापमान गंगानगर में 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि राज्य के पूर्वी भागों में बारिश की गतिविधियां आगामी एक सप्ताह जारी रहने व कहीं-कहीं भारी बारिश होने की पूरी संभावना है। इसके अनुसार, पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी आगामी दिनों में बादलों की गरज के साथ बारिश होगी। वहीं बीकानेर, जोधपुर संभाग में 26 से 29 जून के दौरान बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने और कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है।

# आपातकाल था लोकतंत्र का सबसे काला दिन : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आपातकाल को लोकतंत्र का सबसे काला दिन बताते हुए कहा है कि कांग्रेस आज भले ही कुछ भी आरोप लगाए लेकिन देश की आने वाली पीढ़ियों को इस दिन की सच्चाई जाननी चाहिए, जब लोकतंत्र को सत्ता की भूख में कुचल दिया गया।

दीया कुमारी ने बुधवार को सीकर जाते हुए खंडेला विधायक सुभाष मील, भाजपा कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने रींगस में उनका स्वागत करने के दौरान मीडिया से बातचीत यह बात कही। उन्होंने 25 जून 1975 को लागू किए गए आपातकाल की 50वीं बरसी पर कहा कि यह भारत के लोकतंत्र का सबसे काला दिन था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए संविधान का गला घोंटा। प्रेस की स्वतंत्रता छीन ली गई, समाजसेवी संस्थाओं को कुचला गया और सरकार के खिलाफ आवाज़ उठाने वाले हज़ारों लोगों को जेल में डाल दिया गया।

# भाजपा वालों के पास कहने को कुछ नहीं, इसलिए करते हैं आपातकाल की बात : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आपातकाल को लेकर नई पीढ़ी को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इनके पास कहने को कुछ नहीं हैं, इसलिए ये लोग आपातकाल की बात करते है जबकि इंदिरा गांधी ने विशेष परिस्थिति में आपातकाल लगाया था और इसके परिणाम खिलाफ आने पर इसे ठीक भी नहीं माना गया था और यह स्वीकार भी किया गया, इसके बाद कहने को कुछ नहीं बचता है। गहलोत ने बुधवार को यहां मीडिया द्वारा आपातकाल को लेकर पूछे गए प्रश्न पर यह बात कही। उन्होंने कहा आपातकाल में जो कुछ होना था, मान लो विशेष परिस्थिति में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया और परिणाम हमारे खिलाफ आ गए इंदिराजी खुद भी चुनाव हार गईं और कांग्रेस चुनाव हार गई उसके बाद में इंदिरा जी ने और सब नेताओं ने कहा भई ये हमारा कदम ठीक नहीं था।

जब एक बार बात हमनें खुद ने स्वीकार कर ली, इमरजेंसी लगाई अच्छे उद्देश्य से पर उसके अंदर कई ऐसी बातें हो गई होगी जो जनता हमारे खिलाफ हो गई और हम चुनाव हार गए हैं और उसका एहसास भी किया गया, अब इसके बाद में कहने को कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा आपातकाल के समय जो जेल में गए थे उनको पेंशन दे रहे हो, उनका सम्मान कर रहे हो, उनका दिवस मना रहे हो ये तमाम बातें वही कर सकते हैं। जिनके पास कहने को कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि इनकी (भाजपा) उपलब्धियों में कुछ हैं नहीं, शासन में कुछ करके दिखाया नहीं, जो वादे किए थे दो करोड़ लोगों को रोजगार देंगे, पंद्रह लाख रुपए खाते में डाल देंगे, आमदनी दोगुनी करेंगे किसानों की, क्या क्या नहीं बोले थे, अगर मोदीजी की स्पीच को सुन लें हम लोग तो हमें कहने की आवश्यकता ही नहीं है।

ब्लैकमनी ले के आएंगे स्विस बैंकों से , कितनी बड़ी बड़ी बातें की थीं और असत्य बोल के कि टू जी स्पेक्ट्रम घोटाला हो गया कोल गेट का एक लाख चालीस हजार करोड़ का घोटाला हो चुका है, ग्यारह साल में वो घोटाले कहां गए जो आरोप लगाए थे कांग्रेस पर। तो जिस प्रकार से इन्होंने जो कुछ भी लोगों को गुमराह करके, बाद में हिंदू मुसलमान करके, आप चुनाव जीत जाते हो, देश को अगर एक रखना है अखंड रखना है तो आपको सभी जातियां सभी धर्म को साथ लेकर चलना ही पड़ेगा। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस की महात्मा गांधी के जमाने से सभी को साथ लेकर चलने की नीति रही है जबकि ये लोग अब नई पीढ़ी को गुमराह कर रहे हैं, वो हमारे सब के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। सच्चाई क्या है आज सोशल मीडिया है आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अलग आ गई है।

उन्होंने कहा कि वह चाहेंगे कि एआई का उपयोग सब लोगों को करना चाहिए। एआई नई क्रांति हो रही है दुनिया के अंदर जिसमें तमाम सूचना पचास साल पहले की मिल जाएगी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के पास कई बातें कहने को हैं लेकिन इनके पास कहने को कुछ नहीं है। इनके पास हिंदुओं को भड़काने के अलावा कुछ नहीं है। आज बेरोज़गारी है उसकी चिंता इनको नहीं है, महंगाई बहुत भयंकर बढ़ रही है उसकी चिंता नहीं है तो और क्या करेंगे इमर्जेंसी इमर्जेंसी की बात करेंगे।

# मानसून की तैयारियों में जुटा स्वायत्त शासन विभाग, शासन सचिव ने तैयारियों को लेकर किया मंथन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग में हाल ही में नियुक्त शासन सचिव रवि जैन ने कार्यभार संभालने के दूसरे ही दिन सक्रियता दिखाते हुए बुधवार को नगर निकायों और स्वायत्त शासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्त्वपूर्ण बैठक की। बैठक में मानसून से पूर्व की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। जैन ने निर्देश दिए कि जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नालों की सफाई, पंपिंग मशीनों की उपलब्धता और आपदा नियंत्रण के लिए संसाधनों की व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बरसात के मौसम में आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए जमीनी स्तर पर तैयारियों को सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने खुले खड्डों को तत्काल भरने एवं प्रतिदिन कार्य प्रगति की जानकारी उनसे साझा करने के निर्देश भी दिए । रवि जैन ने कहा की राज्य सरकार की मंशानुसार आमजन के जीवन को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध है।

डीएलबी निदेशक एवं विशिष्ट सचिव इंद्रजीत सिंह ने कहा की जल भराव वाले क्षेत्रों में पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम एवं साइन बोर्ड लगाए जाए जिससे की कोई दुर्घटना न हो।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पूर्व ही डीएलबी निदेशक इन्द्रजीत सिंह ने प्रत्येक स्थानीय निकाय के स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने और बारिश के मद्देनजर जलभराव वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर, पहले से तैयारी रखने के आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी किए थे ।

बैठक के पश्चात शासन सचिव रवि जैन, निदेशक एवं विशिष्ट सचिव इन्द्रजीत सिंह, नगर निगम ग्रेटर के आयुक्त गौरव सैनी, नगर निगम हेरिटेज की आयुक्त डॉ निधि पटेल ने संबंधित उच्च अधिकारियों के साथ जवाहर नगर कच्ची बस्ती, जयपुर एयरपोर्ट और अन्य जलभराव वाले क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। फील्ड विजिट के दौरान उन्होंने नालों की स्थिति, जल निकासी की व्यवस्था तथा आपातकालीन तैयारियों का जायजा लिया।

# सरकार प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण को लेकर प्रतिबद्ध : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत और राजसमंद विधायक श्रीमती दीप्ति माहेश्वरी के करकमलों से बुधवार को राजसमंद को कई सौगातें मिली। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत भीलवाड़ा होते हुए राजसमंद पंचायत समिति अंतर्गत ग्राम पंचायत घाटी के नवीन भवन का लोकार्पण करने पहुंचे। इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उनके स्वागत के लिए उपस्थित थे। रावत ने पंचायत भवन पहुंचकर विधायक दीप्ति माहेश्वरी के साथ फीता काट कर नवीन भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने पंचायत भवन का अवलोकन कर कहा कि यहाँ आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं का समय पर समाधान हो। पंचायत भवन के निकट ही आयोजित जन सभा को उन्होंने संबोधित किया।

मंत्री रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की कमान संभालने के बाद से ही प्रत्येक गाँव में अंतिम व्यक्ति के कल्याण की दिशा में कदम उठाए हैं। बजट घोषणा 2024-25 में 150 करोड़ रुपए की लागत से राजसमन्द बांध मे जल की आवक में अभिवृद्धि करने हेतु खारी फीडर की प्रवाह क्षमता को बढाने के लिए शेष रहे जीर्णोद्धार तथा आवश्यक मरम्मत कार्य स्वीकृत हुए हैं जिससे आने वाले समय में इस क्षेत्र के बड़े हिस्से को राहत मिलने जा रही है। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए विधायक दीप्ति माहेश्वरी के प्रयास सराहनीय रहे हैं और वे बधाई की पात्र है। उन्होंने कहा कि विधायक माहेश्वरी अपने क्षेत्र के लिए सदैव संघर्षशील रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 5 जून से 20 जून तक आयोजित 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' में भी उल्लेखनीय कार्य किए गए जिनमें जल स्रोतों में सफाई, मरम्मत आदि कार्य हुए है। ये जल संरक्षण के कार्य हमें सदैव ही प्रेरणा देंगे। उन्होंने कहा कि राजसमंद जिला इस अभियान में अग्रणी रहा है। वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए हर व्यक्ति प्रयास करे।

राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि वे राजसमंद को 150 करोड़ रुपए की लागत से खारी फीडर की प्रवाह क्षमता को बढ़ाने के लिए शेष रहे जीर्णोद्धार तथा आवश्यक मरम्मत कार्य स्वीकृत करने हेतु मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत की आभारी हैं। ये कार्य होने से किसानों को पर्याप्त पानी मिल सकेगा एवं पानी के वेस्टेज में भी कमी आएगी। सरकार ने कुँवारिया कस्बे को सीएचसी की सौगात दी है जिससे यहाँ मरीजों को भी लाभ मिलेगा। साथ ही जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर नल से जल का सपना भी साकार किया जा रहा है।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत यहाँ से प्रस्थान कर सीधे नगर परिषद राजसमंद क्षेत्र के धोइन्दा पहुंचे एवं धोइंदा तालाब के पुनरुद्धार कार्यों का शुभारम्भ किया। यहाँ भी उन्होंने जनकल्याण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यों के तहत तालाब की डी-वॉटरिंग कर गहरीकरण करेंगे, रिंग रोड की मिसिंग लिंक का निर्माण करेंगे तथा तालाब के मध्य एक खूबसूरत आइलेंड का निर्माण किया जाएगा। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि धोइंदा तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य होने के पश्चात यह एक शानदार पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होगा जिसका लाभ बड़ी संख्या में स्थानीय जनता को मिलेगा। कार्यक्रम में समाजसेवी,अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय जन मौजूद थे। अंत में कमला नेहरू हॉस्पिटल के बाहर कन्या सुरक्षा सर्कल का लोकार्पण किया।

## भजनलाल शर्मा और भगवंत मान के बीच फिरोजपुर फीडर परियोजना को लेकर संवाद, किसानों को मिलेगा बड़ा लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बीच बुधवार को फोन पर फिरोजपुर फीडर पुनर्निर्माण परियोजना की प्रगति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। इसे देखते हुए गंगनहर क्षेत्र के किसानों के लिए महत्वपूर्ण फिरोजपुर फीडर पुनर्निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होने की संभावना बनी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र विशेषकर श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ की जीवनरेखा गंगनहर प्रणाली को सशक्त किए जाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। किसानों के लिए बहुप्रतीक्षित फिरोजपुर फीडर पुनर्निर्माण परियोजना को केंद्रीय जल आयोग, नई दिल्ली की 24 अप्रेल, 2025 को 158वीं सलाहकार समिति की बैठक में स्वीकृति मिल गई है। इस परियोजना की कुल लागत 647.62 करोड़ रुपये है। इसमें पंजाब राज्य की हिस्सेदारी 379.12 करोड़ रुपये (58.54 प्रतिशत) और राजस्थान की हिस्सेदारी 268.50 करोड़ रुपये (41.46 प्रतिशत) रखी गई है।

शर्मा ने कहा कि फीडर पुनर्निर्माण के लिए राजस्थान की हिस्सा राशि 268.50 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रावधान की सैद्धांतिक सहमति पंजाब सरकार (जल संसाधन विभाग) से प्राप्त हो चुकी है, जिसका परीक्षण कराते हुए वित्त विभाग, राजस्थान की सहमति के बाद पंजाब सरकार को सूचना भेजी जाएगी। इसके बाद पंजाब सरकार द्वारा वित्त पोषण के लिए केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

केन्द्र सरकार से वित्त पोषण की सहमति के बाद पंजाब सरकार से समन्वय स्थापित कर निविदा सहित अन्य कार्यवाहियां की जाएंगी। राज्य सरकार इसी वर्ष में पुनर्निर्माण कार्य शुरू कराकर आगामी दो वर्ष में पूर्ण कराने के लिए प्रतिबद्ध है। पुनर्निर्माण से फिरोजपुर फीडर की वर्तमान क्षमता 11 हजार 192 क्यूसेक से बढ़कर 13 हजार 842 क्यूसेक हो जाएगी। इससे मानसून में पाकिस्तान की तरफ जाने वाले अधिक्य जल को संरक्षित कर गंगनहर क्षेत्र में ही उपयोग में लिया जा सकेगा।

# गौ माता समस्त प्राणियों की जननी एवं कल्याण की स्रोत हैं

जयपुर/दक्षिण भारत । जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बुधवार को भीलवाड़ा जिले के नौगांव स्थित माधव गौ विज्ञान अनुसंधान केंद्र एवं गौशाला का निरीक्षण किया। मंत्री रावत ने परिसर में स्थित सांवलिया सेठ मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। निरीक्षण के दौरान संस्थान के अध्यक्ष एवं गौ सेवा क्षेत्र में सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश द्वारा जल संसाधन मंत्री को संस्थान की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गई।

मंत्री रावत ने संस्थान में गौ संरक्षण, पंचगव्य चिकित्सा अनुसंधान, जैविक खेती एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों एवं वैदिक परंपराओं का प्रभावी संवाहक है। मंत्री रावत ने कहा कि केंद्र में गौमूत्र, गोबर, दूध, दही एवं घी के उपयोग से आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण कर विभिन्न रोगों के उपचार में सफलता प्राप्त की जा रही है। किसानों को रासायनिक उर्वरकों के विकल्प के रूप में जैविक खाद, कीटनाशकों एवं गौ-अमृत के प्रयोग हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान का उद्देश्य गौपालकों एवं कृषकों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को सशक्त किया जा सके।

मंत्री रावत ने कहा कि यह केंद्र केवल एक गौशाला नहीं, बल्कि ग्रामीण नवाचार, पारंपरिक चिकित्सा एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में एक प्रेरणादायक मॉडल है। राज्य सरकार ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

# उदयपुर में फ्रांसीसी महिला से दुष्कर्म के आरोप में युवक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में विज्ञापन शूट के लिए आई फ्रांसीसी महिला से कथित तौर पर दुष्कर्म करने के लिए एक युवक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान चित्तौड़गढ़ के गंगरार निवासी 29 वर्षीय पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा के रूप में हुई है और आरोपी एक कास्टिंग कंपनी का मालिक है। उन्होंने बताया कि आरोपी फिल्मों, संगीत वीडियो व टेलीविजन धारावाहिकों के लिए काम कर चुका है और पिछले आठ वर्ष से उदयपुर में रह रहा है।

उदयपुर के पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि पुष्पराज की कंपनी ने महिला को मोबाइल विज्ञापन शूट के लिए काम पर रखा था और इसकी शूटिंग 22 जून को उदयपुर के विभिन्न स्थानों पर हुई, जिसमें पिछोला झील, सज्जनगढ़ किला और स्थानीय रेस्तरां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शूटिंग के बाद पूरी यूनिट ने टाइगर हिल के पास एक कैफे में कथित तौर पर पार्टी की और पार्टी के बाद आरोपी महिला को धूम्रपान के बहाने सुखेर स्थित अपने फ्लैट पर ले गया और उसका यौन शोषण किया। पुलिस ने दावा किया कि पूछताछ के दौरान पुष्पराज ने अपना अपराध कबूल कर लिया।

# आपातकालः न्यायमूर्ति सिन्हा ने इंदिरा गांधी को अयोग्य ठहराने के फैसले पर कभी 'पछतावा' नहीं किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 12 जून 1975 को लोकसभा की सदस्यता के अयोग्य घोषित करने वाले न्यायमूर्ति जगमोहनलाल सिन्हा को अपने इस फैसले पर कभी पछतावा नहीं हुआ। उनके इस निर्णय के 13वें दिन देश में 21 महीने लंबा आपातकाल लागू किया गया और इतिहास के पन्नों में दर्ज अनेक घटनाक्रम हुए, मगर सिन्हा ने हमेशा माना कि उन्होंने जो किया, सही किया।

न्यायमूर्ति जगमोहनलाल सिन्हा के बेटे न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) विपिन सिन्हा ने 'पीटीआईभाषा' से टेलीफोन पर की गयी बातचीत में बताया, ''मेरे पिता को वह फैसला सुनाने पर कभी कोई पछतावा नहीं हुआ, क्योंकि उन्होंने वही किया जो सही था। उनके लिए यह किसी सामान्य मामले की तरह था और उन्होंने गुणदोष और तथ्यों के आधार पर फैसला किया।'' वह ऐतिहासिक फैसला कोर्ट रूम 24 (जिसे अब 34 के रूप में पुनः क्रमांकित किया गया है) में सुनाया गया था।

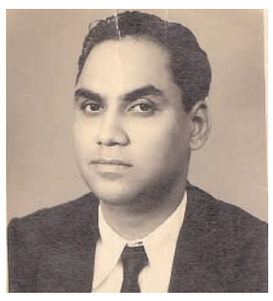

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) विपिन सिन्हा ने कहा, ''कोई भी यह नहीं कह सकता कि उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री को अयोग्य ठहराने का आदेश देने का बाद में कोई लाभ उठाने की कोशिश की। कोई भी यह नहीं कह सकता कि उन्हें इसका कोई पारितोषिक मिला।'' भारत में 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक आपातकाल लागू रहा। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत एक आदेश जारी किया था जिसमें 'आंतरिक अशांति' का हवाला देते हुए मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था। इस फैसले से व्यापक आक्रोश फैल गया। उन्होंने कहा कि उनके पिता न्यायमूर्ति जगमोहनलाल सिन्हा ने कभी अपने फैसले पर डर या पछतावा महसूस नहीं किया। अगर उन्हें डर या कुछ और महसूस होता तो वे फैसला नहीं सुनाते। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) विपिन सिन्हा ने कहा, ''मेरे पिता को उस वक्त सबसे शक्तिशाली रहीं इंदिरा गांधी का लोकसभा निर्वाचन रद्द करने के नतीजों के बारे में पता रहा होगा। उनके लिये सबसे आसान तरीका याचिका को खारिज करना होता, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।''

उन्होंने कहा, ''जब आपातकाल लगाया गया तब मैं ग्यारहवीं कक्षा में था। हां, कभी-कभी मेरे पिता को धमकी देने वाले गुमनाम फोन आते थे कि उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा लेकिन जहां तक मुझे याद है, हमारे परिवार पर कभी कोई दबाव नहीं था।'' न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) विपिन सिन्हा ने कहा, ''वह लैंडलाइन फोन का जमाना था इसलिए यह नहीं बताया जा सकता था कि वे फोन कॉल कौन कर रहा था। कई बार कॉल करने वाले दावा करते थे कि पुलिस मेरे पिता को गिरफ्तार करने आई है लेकिन चूंकि ऐसा कुछ कभी नहीं हुआ, इसलिए वे गुमनाम कॉल ज़्यादातर शरारतपूर्ण लगते थे।''

आपातकाल के दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा, ''लोगों के लिए, वह वाकई मुश्किल समय था। क्या कुछ हुआ, यह जगजाहिर है। कैसे छात्रों को परेशान किया गया, गिरफ्तार किया गया। प्रेस को चुप करा दिया गया, राजनीतिक नेताओं को जेल में डाल दिया गया और मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया।''

# झारखंडः किसान के घर घुसा बाघ, वन अधिकारियों ने पकड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**रांची/भाषा।** झारखंड के रांची जिले के एक गांव में बुधवार को एक वयस्क बाघ (रॉयल बंगाल टाइगर) एक किसान के घर में घुस गया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई, हालांकि बाद में वन अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया।

यह घटना झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 65 किलोमीटर दूर मुरी पुलिस चौकी के अधिकार क्षेत्र में सिल्ली प्रखंड के मरदु गांव में घटी।

रांची के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) श्रीकांत वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, बाघ सुबह करीब पांच बजे पूरन चंद महतो के घर में घुस गया।

वर्मा ने बताया कि जब किसान ने बाघ को घर के एक कमरे में घुसते देखा तो उन्होंने बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि जब बाघ घर में घुसा तो करीब आठ साल की दो बच्चियां भी घर के अंदर थीं, लेकिन उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

अधिकारी ने बताया कि पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) से एक बचाव दल मौके पर पहुंचा और बचाव अभियान शुरू कर कर सफलतापूर्वक बाघ को पकड़ लिया। उन्होंने कहा, पिंजरे में बंद करने के बाद उसे बेहोश कर दिया गया। उसे एक वाहन में लादकर रांची के बिरसा जैविक उद्यान ले जाया जाएगा, जहां उसे निगरानी में रखा जाएगा। उन्होंने कहा, हालांकि, बाघ को मुक्त करने का निर्णय बाद में लिया जाएगा।

## आपातकाल याद दिलाता है कि लोकतंत्र को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए : सिक्किम मुख्यमंत्री

**गंगटोक/भाषा।** सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि देश में 50 वर्ष पहले लगाया गया आपातकाल भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक चेतावनी है कि लोकतंत्र को कभी हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। तमांग ने यहां मनन केंद्र में 'संविधान हत्या दिवस' मनाने के लिए आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस दिन 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा, '' यह दिन (25 जून) भावी पीढ़ियों को याद दिलाता है कि लोकतंत्र को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। इसके लिए निरंतर सतर्कता, सक्रिय भागीदारी और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान की आवश्यकता होती है।'' उन्होंने कहा कि संविधान भारत की पहचान का गौरवशाली प्रतीक है जो प्रत्येक नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता और समानता की गारंटी देता है। तमांग ने कहा, ''संविधान एक कानूनी दस्तावेज है और हमारे लोकतंत्र की नींव है जो लोगों को सशक्त बनाता है और केंद्र सरकार को जवाबदेह बनाता है।'' उन्होंने कहा, '' इस अवसर पर हम उन बहादुर नेताओं और नागरिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया, जिनमें से कई को कारावास और उत्पीड़न सहना पड़ा। उनका साहस और बलिदान हमें लगातार प्रेरित करता रहता है।

## आपातकाल लोकतंत्र में एक 'काला अध्याय': खांडू

**ईटानगर/भाषा।** अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बुधवार को अतीत से सीख लेने और संविधान की रक्षा के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराने के महत्व को रेखांकित किया। सीमावर्ती जिले तवांग में 'संविधान हत्या' दिवस नामक कार्यक्रम के आयोजन का नेतृत्व करते हुए खांडू ने लोगों से नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा करने और राष्ट्र को परिभाषित करने वाले लोकतांत्रिक मूल्यों को संरक्षित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह दिन संविधान की रक्षा और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को मजबूत करने की आवश्यकता की याद दिलाता है।

मुख्यमंत्री ने पोस्ट में कहा, आइए हम अतीत से सीख लें और संविधान की रक्षा, नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा और हमारे महान राष्ट्र को परिभाषित करने वाले लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करें। देश में आपातकाल लागू होने की 50वीं बरसी पर खांडू ने यह बात कहीं। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल लगाया था, जिसे भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में चुनौतीपूर्ण और काले अध्यायों में से एक माना जाता है।

# दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर धब्बा था आपातकाल : ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मोतिहारी (बिहार)/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अनुराग ठाकुर ने बुधवार को आपातकाल को 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर धब्बा' बताया और आरोप लगाया कि इसके लिए उस समय सत्तारूढ़ कांग्रेस की 'तानाशाही प्रवृत्ति' जिम्मेदार थी।

बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे लोकसभा सदस्य ने पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद पर भी निशाना साधते हुए कहा, ''जेपी आंदोलन से उपजे नेता, जिन्होंने कांग्रेस की तानाशाही को चुनौती दी थी, अब उसी पार्टी की गोद में बैठ गए हैं।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया, ''आपातकाल लागू करके इंदिरा गांधी ने बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को कुचल दिया था। उनके पोते राहुल गांधी उसी संविधान को अपनी जेब में रखना पसंद करते हैं। यह संविधान के प्रति पार्टी की उपेक्षा को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि देश यह नहीं भूला है कि कैसे 50 साल पहले इसी तारीख को इंदिरा गांधी ने रात के अंधेरे में आपातकाल लागू किया था, जिसके बाद ''प्रेस सहित सरकार की आलोचना करने की हिम्मत करने वाले सभी लोगों के खिलाफ ज्यादतियां की गईं।'' ठाकुर ने कहा, ''यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर एक धब्बा है और कांग्रेस की तानाशाही प्रवृत्ति को दर्शाता है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''सत्ता में रहते हुए, कांग्रेस ने अपने राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अनगिनत बार संविधान में संशोधन किया। अनुच्छेद 357 का दुरुपयोग करके कई राज्य सरकारों को बर्खास्त किया गया। यह सब पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय से चल रहा था।'' उन्होंने कहा, ''दिवंगत न्यायमूर्ति एच आर खन्ना को भारत के प्रधान न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति से वंचित कर दिया गया क्योंकि उन्होंने आपातकाल के दौरान अपने मन की बात कही थी। कई नेताओं और छात्र कार्यकर्ताओं को अपने करीबी रिश्तेदारों के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पैरोल नहीं दी गई थी।

## 'भारत के 'गगनयान मिशन' के लिए अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के अनुभव होंगे उपयोगी'

**गुवाहाटी/भाषा।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा भारत के लिए गौरव का क्षण है और उनके अनुभव देश के आगामी 'गगनयान मिशन' के लिए बहुत उपयोगी होंगे। वहीं, राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला की यात्रा ने भारतीय अंतरिक्ष इतिहास में एक नया गौरवशाली अध्याय जोड़ा है।

शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत अंतरिक्ष में पहुंचा। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा भारत के लिए गौरव का क्षण है। अंतरिक्ष के क्षेत्र में यह बड़ी कामयाबी है।'' उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना के पायलट की अंतरिक्ष यात्रा से मिले अनुभव देश के आगामी 'गगनयान मिशन' के लिए महत्वपूर्ण होंगे। आचार्य ने एक पोस्ट में कहा, '''एक्सिओम मिशन 4' के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का अंतरिक्ष अभियान भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं और 1.4 अरब भारतीयों के सपनों और उम्मीदों की नई उड़ान है।''

# 'नकली समाजवादी आपातकाल लगाने वालों की गोद में बैठ गए': मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**प्रयागराज/भाषा।** उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने देश में आपातकाल लगाये जानी की 50वीं बरसी पर बुधवार को विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि नकली समाजवादी आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस पार्टी की गोद में बैठ गए हैं।

मौर्य ने यहां 'सर्किट हाउस' में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए, आपातकाल के समय असली समाजवादी लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रहे थे। कांग्रेस के खिलाफ लोक नायक जयप्रकाश नारायण, जार्ज फर्नांडीस, मुलायम सिंह यादव, लालू प्रसाद इस आंदोलन का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, जो कांग्रेस की गोद में बैठ गया, वह कांग्रेस की तरह ही हो गया। लोकतंत्र की हत्या करने वाली, इस देश में आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस पार्टी के साथ जो खड़ा है, उसे कांग्रेस ही समझना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा, संविधान में आपातकाल लगाने की व्यवस्था है और वह भी तब जब देश संकट में हो। लेकिन उस समय देश पर संकट नहीं था, बल्कि गांधी परिवार की सत्ता पर संकट था। उन्होंने कहा, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश पर इंदिरा गांधी का चुनाव रद्द कर दिया गया था। न्यायपालिका का इतना साहस कैसे कि इंदिरा गांधी का चुनाव रद्द कर दिया जाए। उस समय भारत का मतलब कांग्रेस और इंदिरा गांधी था। कांग्रेस ने सत्ता को बचाने के लिए देश में आपातकाल लगाया, जो कांग्रेस के अहंकार का सूचक है।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, कांग्रेस ने सत्ता का दुरुपयोग कर वह कार्य किया, जो उन्हें नहीं करना चाहिए था। अब कांग्रेस मुक्त भारत और सपा मुक्त प्रदेश बनाने का समय आ गया है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में संविधान के हत्यारों के साथ सपा ने गठबंधन किया और प्रतिपक्ष के नेता के संविधान की किताब लेकर जनता को गुमराह किया।

## वाजपेयी ने की थी इंदिरा की तारीफ, भाजपा को उनसे सीखना चाहिएः पप्पू यादव

**नई दिल्ली/भाषा।** निर्दलीय लोकसभा सदस्य राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने आपातकाल के विषय को लेकर बुधवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि सत्तारूढ़ दल को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में सीखना चाहिए, जिन्होंने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तारीफ की थी।

बिहार के पूर्णिया से सांसद ने यह दावा भी किया कि वर्तमान सरकार में सभी संवैधानिक संस्थाओं को खत्म किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, ''सारी संस्थाओं के मूल्यों को खत्म किया जा रहा है। उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों ने संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि अघोषित आपातकाल है। ईडी, सीबीआई, चुनाव आयोग, सब भाजपा का दफ्तर बनकर रह गया है। सारी शैक्षणिक संस्थाओं में आरएसएस के लोग बैठ गए हैं।'' यादव ने कहा, ''आपातकाल एक राजनीतिक प्रक्रिया थी, जिसमें कहीं गलती या भूल हुई और इसे स्वीकार भी किया गया। लेकिन आपातकाल के कुछ साल बाद हुए चुनाव में जनता ने इंदिरा गांधी को बड़ा जनादेश दिया।'' उन्होंने कहा, ''हम तो कहेंगे आप (भाजपा) अटल जी से लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में सीखिए, जिन्होंने इंदिरा जी को दुर्गा की उपाधि दी थी और कहा था कि हमें उन पर गर्व है।''

# विवादित असम-मेघालय सीमा पर तनाव, भीड़ ने पौधे उखाड़े, सुरक्षा ढांचों को तोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**शिलांग/भाषा।** असम-मेघालय राज्यों की विवादित सीमा के समीप बसे एक गांव में बुधवार को तनाव पैदा हो गया और भीड़ ने कई पौधे उखाड़ दिए एवं पौधों की सुरक्षा के लिए बनाए गए लकड़ी के ढांचे को जला दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लापांगाप गांव में असम के कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (केएएसी) द्वारा पौधा रोपण अभियान का आयोजन किया गया।

लापांगाप के जिस पहाड़ी इलाके पर यह घटना घटी उस पर मेघालय के पश्चिमी जयंतिया पर्वतीय जिले के निवासी और असम के कार्बी आंगलोंग जिला निवासी अपना-अपना क्षेत्र होने का दावा करते हैं।

मेघालय के विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्यों के समर्थन से लापांगाप और अन्य गांवों के लगभग 400 लोग पौधरोपण वाले क्षेत्र में पहुंचे। उन्होंने पौधों को उखाड़ दिया और लकड़ी के ढांचे को जला दिया। उनका दावा था कि असम पौधरोपण करके उनके राज्य में अतिक्रमण करने की कोशिश कर रहा है। पश्चिमी जयंतिया पर्वतीय जिले के उपायुक्त अभिनव कुमार सिंह ने बताया कि पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति अब नियंत्रण में है। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''केएएसी द्वारा (पश्चिम जयंतिया पर्वतीय) जिला प्रशासन को पूर्व सूचना दिए बगैर ही पौधा रोपण किया गया।'' उन्होंने बताया कि पौधा रोपण के बारे में जिला प्रशासन तक एक सप्ताह पहले ही सूचना पहुंच गई थी और आज शांति बैठक होनी थी तथा इसके लिए क्षेत्र के लोगों को उस स्थान पर जाने से रोक दिया गया। अधिकारी ने बताया कि तहपत गांव में शांति बैठक निर्धारित थी, लेकिन किसी भी व्यक्ति के वहां नहीं पहुंचने के कारण इस बैठक का आयोजन नहीं हो सका।

## भाजपा ने देश में लागू किया हुआ है अघोषित आपातकाल : अखिलेश

**फर्रुखाबाद/भाषा।** समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि जून 1975 में घोषित तौर पर आपातकाल लागू किया गया था लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस समय देश में अघोषित आपातकाल लागू किया हुआ है।

पूर्व सांसद छोटे सिंह यादव की तेरहवीं में शामिल होने पहुंचे सपा प्रमुख ने आपातकाल की 50वीं बरसी से जुड़े एक सवाल पर संवाददाताओं से कहा, इस समय देश में अघोषित आपातकाल जारी है। जयप्रकाश नारायण के भ्रष्टाचार रोधी आंदोलन के बाद तो घोषित तौर पर आपातकाल लागू किया गया था लेकिन भाजपा ने इस वक्त अघोषित आपातकाल लगाया हुआ है। उन्होंने कहा, देश में जाति और धर्म के नाम पर भेदभाव किया जा रहा है। भाजपा के राज में महंगाई और भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा धर्म से धर्म और जाति से जाति को लड़ा रही है। भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने इटावा में यादव समाज के एक कथावाचक और उनके साथियों से मारपीट की घटना का जिक्र करते हुए कहा, इटावा की घटना को शोषण करने वाले वर्चस्ववादी लोगों ने अंजाम दिया। भाजपा सपना दिखाती हैं कि हम विश्व गुरु हो गए हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मेरी बात मानते हैं, लेकिन इटावा जैसी घटनाएं समाज में बेहद निंदनीय है। ऐसी सभी घटनाये भाजपा सरकार में हो रहीं हैं।''

# पुरी जगन्नाथ मंदिर का प्रसाद तमलुक शहर में वितरित किया जाएगाः शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोलकाता/भाषा।** पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को कहा कि पुरी के जगन्नाथ मंदिर का प्रसाद 27 जून को रथयात्रा के दिन से पांच दिनों तक तमलुक शहर के एक मंदिर से लोगों के बीच वितरित किया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने यह घोषणा ऐसे समय में की है जब राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार दीघा के जगन्नाथ मंदिर का प्रसाद पूरे पश्चिम बंगाल में लोगों में वितरित कर रही है। इस मंदिर का उद्घाटन 30 अप्रैल को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किया था। तमलुक और दीघा दोनों ही राज्य के पूर्व मेदिनीपुर जिले में स्थित हैं। अधिकारी ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर दीघा में जगन्नाथ मंदिर के प्रसाद के नाम पर स्थानीय मिठाइयां बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पुरी जगन्नाथ मंदिर का प्रसाद तमलुक स्थित गौरांग महाप्रभु मंदिर से रथ यात्रा के दिन से पांच दिनों तक लोगों के बीच वितरित किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस ने शुभेंदु अधिकारी पर धर्म और राजनीति के घालमेल का आरोप लगाया। तृणमूल कांग्रेस प्रवक्ता जयप्रकाश मजूमदार ने कहा, ''केवल शुभेंदु अधिकारी ही धर्म को लेकर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।''

# भाजपा ने 'अघोषित आपातकाल' वाले बयान को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की आलोचना की

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ टिप्पणी को लेकर बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की आलोचना की और कहा कि मुख्य विपक्षी दल 'संविधान हत्या दिवस' मनाये जाने से घबरा गया है क्योंकि इसने 50 साल पहले इंदिरा गांधी सरकार द्वारा किये गये अत्याचारों की यादें ताजा कर दी हैं। खरगे ने बुधवार को आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी के हमले को लेकर उन पर पलटवार किया और आरोप लगाया कि पिछले 11 साल से देश में ''अघोषित आपातकाल'' है। खरगे ने कहा कि भाजपा मोदी सरकार की विफलताओं को छिपाने के लिए 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का नाटक कर रही है। इस पर पलटवार करते हुए भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ खरगे की टिप्पणी की निंदा की और कहा कि कांग्रेस इस बात से परेशान है कि देश 50 साल पहले इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल को 'काला दिवस' के रूप में मना रहा है, क्योंकि इससे उस समय किए गए अत्याचारों की यादें ताजा हो गई हैं। पात्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बिना किसी कैबिनेट निर्णय के आपातकाल लागू कर दिया था। रातों-रात करीब डेढ़ लाख लोगों को जेल में डाल दिया गया था। मीडिया संस्थानों की बिजली काट दी गई थी ताकि अखबारों में सच न छप जाए।

# शार्दुल ठाकुर की जगह दूसरे टेस्ट में कुलदीप यादव को मिल सकती है जगह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला के पहले मैच में शार्दुल ठाकुर से कम गेंदबाजी कराने के कप्तान शुभमन गिल के फैसले का बचाव किया लेकिन दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में उनके चयन को सही ठहराना मुश्किल होगा।

दिसंबर 2023 के बाद से अपना पहला टेस्ट खेल रहे शार्दुल का तेज गेंदबाजी में अच्छा उपयोग नहीं हुआ और उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भी टीम को निराश किया। उन्होंने दो पारियों में 20 गेंदों पर कुल पांच रन बनाए। शार्दुल ने मैच की पहली पारी में सिर्फ छह ओवर और दूसरी पारी में 10 ओवर गेंदबाजी की। ऐसे में विशेषज्ञ गेंदबाज की जगह उन्हें तरजीह देने पर सवाल उठ रहे हैं। शार्दुल ने मैच के पांचवें दिन हालांकि लगातार दो विकेट लेकर भारत की जीत की उम्मीदें जगा दी थी लेकिन उनकी गेंदबाजी में धार और पैनापन नहीं था। उन्होंने और प्रसिद्ध कृष्णा ने बहुत सारी कमजोर गेंदें फेंकी, जिससे इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना। भारत को इस पांच दिवसीय मैच में ज्यादातर समय तक दबदबा बनाये रखने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बावजूद टीम को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। एजबेस्टन टेस्ट के लिए हालांकि अंतिम एकादश में कुछ बदलाव तय हैं।

विशेषज्ञों ने शृंखला के पहले मैच में कुलदीप यादव को शामिल करने की मांग की थी और अब बर्मिंघम में स्पिनरों की मदद करने वाली पिच पर शार्दुल की जगह उन्हें शामिल किए जाने की संभावना है। पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने 'पीटीआई' से कहा, ''कुलदीप को टीम में होना चाहिए। चार तेज गेंदबाजों के साथ खेलने का कोई मतलब नहीं है। शार्दुल या प्रसिद्ध में से कोई भी उनके लिए जगह बना सकता है।'' इंग्लैंड में टीमें अकसर चार तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरते रहीं हैं लेकिन मौजूदा समय में शुष्क मौसम को देखते हुए कुलदीप और रविंद्र जडेजा दोनों अंतिम एकादश में जगह बना सकते हैं।

## सुविचार

**कृष्ण ने प्रेम को कोई नाम नहीं दिया, लेकिन राधा की चुप्पी में उन्हें सब कुछ कह दिया।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# कला के बहाने शत्रु का समर्थन क्यों?

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान पर धावा बोलने से पहले ही भारत सरकार ने इस पड़ोसी देश के पर कतरने शुरू कर दिए थे। इसके लिए जासूसी करने वाले कई एजेंट पकड़े जा चुके हैं। साथ ही, कई पाकिस्तानी कलाकारों, कथित पत्रकारों और चैनलों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाया गया। ऐसा करना जरूरी था, क्योंकि ये लोग 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान दुष्प्रचार और भ्रम का प्रसार कर सकते थे। इन्होंने ऐसा किया भी, लेकिन उसका खास असर नहीं हुआ। जब हमारा देश आतंकवाद के खिलाफ इतनी मजबूती से लड़ाई लड़ रहा है तो कुछ लोग पाकिस्तानी कलाकारों के समर्थन में क्यों राग अलाप रहे हैं? पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर की वजह से एक भारतीय अभिनेता सुर्खियों में छाए हुए हैं। एक गायक बेसिर-पैर की दलील दे रहे हैं कि 'अगर प्रतिबंध लगाना है तो जितने भी पाकिस्तानी गाने हैं, सब पर लगाएं ... उन पर भी जिनके लिए पहले पाकिस्तानी गायकों ने आवाज दी थी!' इसका मतलब यह हुआ कि भारतीय सिनेमा उद्योग का पूरा रिकॉर्ड उठाकर उसका अध्ययन करें, उसमें पाकिस्तानियों की पहचान करें, उसके बाद प्रतिबंध लगाएं। दूसरे शब्दों में कहें तो वर्तमान पर ध्यान देने के बजाय अतीत के गलियारों में ही घूमते रहें, जब किसी निष्कर्ष पर पहुंच जाएं, तब कोई कार्रवाई करें ... इस दौरान पाकिस्तानियों को धड़ल्ले से काम करने दें! कुछ कथित कलाकारों का यह रवैया समझ से परे है। क्या वजह है कि आपको पाकिस्तानी कलाकार ही चाहिएं? अगर पड़ोसी देशों के कलाकारों को काम देना है तो भूटान, नेपाल, श्रीलंका के कलाकारों को दें।

देश में कई वर्षों से एक और अजीब दलील खूब दी गई है कि 'कला के लिए कोई सरहद नहीं होती, लिहाजा पाकिस्तान के सिनेमा उद्योग से जो व्यक्ति आए, उसका खूब स्वागत होना चाहिए।' हमारा सैनिक एलओसी पर लहूलुहान हो जाए या वीरगति को प्राप्त हो जाए, लेकिन हमारे देशवासी पाकिस्तानी कलाकारों के लिए 'वाह-वाह' करते रहें! क्या इस तरह हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जीत सकते हैं? हमारा सैनिक अपने सीने पर गोलियां खाता रहे, लेकिन हम पाकिस्तानियों पर प्रतिबंध भी न लगाएं? भारत में बहुत लोगों में शत्रुबोध का घोर अभाव है। वे यह बात समझ ही नहीं रहे कि पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे आतंकवाद को कुचलने के लिए हमें कई मोर्चों पर लड़ाई लड़नी है। जो पाकिस्तानी कलाकार भारत में काम करने के बदले धन पाते हैं, उससे इस पड़ोसी देश की अर्थव्यवस्था को ताकत मिलती है। कई पाकिस्तानी ड्रामे सोशल मीडिया के जरिए भारत में खूब देखे गए। इससे जो डिजिटल कमाई हुई, उसका बहुत बड़ा हिस्सा पाकिस्तानी खजाने में गया था। क्या इस्लामाबाद ने उस राशि का इस्तेमाल हमारे खिलाफ नहीं किया होगा? पहलगाम में आतंकवादी हमले की फंडिंग से लेकर हमारे कई शहरों पर मिसाइलें दागने और ड्रोन भेजने के लिए पाकिस्तान के पास पैसा कहां से आया होगा? भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान के कई सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उनके व्यूज एकदम गिर गए हैं। जिन वीडियो को पहले लाखों लोग देखते थे, अब वे कुछ हजार तक सिमट गए हैं। सोचिए, पिछले एक दशक में भारतीय इंटरनेट यूजर्स ने पाकिस्तानी चैनलों को कितने व्यूज दिए होंगे और उससे कितनी कमाई हुई होगी? इस समय पाकिस्तान के लिए एक-एक डॉलर बहुत महत्त्वपूर्ण है। जिस दिन उसका खजाना थोड़ा-सा भर जाएगा, वह हमारे खिलाफ आतंकवाद को भड़काएगा। आतंकवादियों और उनके आकाओं को मुंहतोड़ जवाब देने की जिम्मेदारी सिर्फ भारत सरकार और सशस्त्र बलों की नहीं, हम सबकी है। हम ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे पाकिस्तान को किसी भी तरह का लाभ हो।

## ट्वीटर टॉक

भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा द्वारा शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतने पर अनंत शुभकामनाएं। नीरज का यह समर्पण, अनुशासन और देश के लिए खेल भावना आज हर भारतीय के मन में गर्व का भाव जगा रही है।

**-दीया कुमारी**

परमवीर चक्र से अलंकृत शहीद कैप्टन मनोज कुमार पांडेय जी की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। करगिल युद्ध के दौरान खालूबार की कठिनतम लड़ाई में उन्होंने अद्वितीय साहस, वीरता और नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया।

**-ओम बिरला**

फ्रांस की महिला के साथ उदयपुर में दुष्कर्म के मुद्दे पर : अब बताइए कि फ्रांस की लेडी का रेप हो गया , अभी अमेरिका ने जारी किया एडवाइजरी हिंदुस्तान में छह राज्य ऐसे हैं जहां पर महिला सुरक्षित नहीं हैं कृपया ध्यान रखें अमेरिकन लोग वहां जाएं तो कहीं रेप की घटना न हो जाए।

**-अशोक गहलोत**

## प्रेरक प्रसंग

# सच्चा मार्गदर्शक

मालवा के राजा भोज, माघ पंडित को साथ लेकर घूमते-घामते नगरी से कोसों दूर निकल गये और रास्ता भूल गए। लाख सिर पटका, पर सही रास्ता न मिला। हारकर दोनों एक बुढ़िया के पास पहुंचे। माघ ने कहा, 'मां, पाय लागूं।' 'जीते रहो, बेटे! तुम दोनों कौन हो?' बुढ़िया ने आशीष देकर पूछा। 'मां, हम राही हैं, रास्ता भूल गए हैं।' माघ ने असलियत छिपाते हुए कहा। 'बेटा! संसार में राही तो दो ही हैं। एक सूर्य, दूसरा चन्द्रमा। तुम तीसरे कहां से आये?' 'मां! मैं राजा हूं।' भोज ने जवाब दिया। बुढ़िया हंसकर बोली, 'बेटा, राजा भी दो ही हैं। एक इन्द्र और दूसरे यमराज तुम इनमें से कौन से हो?' 'मां! हम परदेशी हैं।' माघ ने कहा। 'मगर परदेशी भी दो हैं- पहले जीव-जन्तु और दूसरे पेड़-पौधे। बताओ, इनमें से तुम कौन हो?' 'हम बहुत क्षमता वाले हैं।' भोज ने कहा। 'पर बेटा! क्षमतावान भी केवल दो हैं। एक पृथ्वी और दूसरी स्त्री। तुम कौन से हो?' 'मां। हम हारे हुए पथिक है।' माघ बोले। 'हारे हुए भी संसार में दो ही हैं-कर्जदार और कन्या का पिता। तुम कौन हो?' 'मां! हमें कुछ नहीं मालूम, तुम्ही बताओ?' भोज ने कहा। 'बेटा, मैं तो यूं ही अटकल लगा रही थी। आपको कौन नहीं जानता।

## सामयिक

# परमाणु हथियारों के बहाने किए गए युद्ध का परिणाम क्या हुआ?

**प्रमोद भार्गव**

**मोबाइल : 09981061100**

**अमेरिका ने जिन तीन परमाणु स्थलों पर हमला किया है, वह सभी ईरान के प्रमुख यूरेनियम संवर्धन ठिकाने हैं। यहां संयंत्रों में प्राकृतिक यूरेनियम को अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम में बदला जाता है। इसी यूरेनियम को प्रयोग परमाणु बम में किया जाता है। परमाणु बिजली बनाने के लिए 3-5 प्रतिशत का यूरेनियम संवर्धन पर्याप्त होता है, लेकिन हथियार बनाने के लिए यूरेनियम-235 संवर्धन की जरूरत होती है।**

ईरान-इजरायल के बीच 12 दिन चला युद्ध बीच में अमेरिका द्वारा ईरान के एक साथ तीन परमाणु ठिकानों पर हमला, जवाबी कार्यवाही में ईरान का कतर में स्थित अमेरिका के सैन्य ठिकाने पर अल-उदैद हमले के आखिरी परिणाम क्या निकला? कहना मुश्किल है। यह युद्ध और इस युद्ध के हासिल नटखट बच्चे की हरकतों की तरह देखने में आए है। ये हरकतें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रही हैं। इजरायल ने ट्रंप की शह पर ईरान पर मिसाइलों से हमले इसलिए किए, जिससे उसकी परमाणु क्षमता को नष्ट कर अपने देश की रक्षा कर ली जाए। इसी दौरान आ बैल मुझे मार कहावत को चरितार्थ करते हुए अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमले किए। और दावा किया कि इन परमाणु संयंत्रों को इतना नुकसान हो गया है कि अब कई साल तक ईरान परमाणु बम नहीं बना पाएगा। ये बम बनाना तब और मुश्किल हो गया है, जब इजरायल ने ईरान पर किए पहले ही हमले में वहां के अनेक परमाणु वैज्ञानिकों को मार दिया था। युद्ध के ग्यारहवें दिन ट्रंप ने दावा किया कि दोनों देश युद्ध विराम के लिए तैयार हो गए हैं। परंतु इस घोषणा के बाद दोनों ही देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए। यही नहीं ईरान ने भी अमेरिका के अरब देशों में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इन हमलों के संदर्भ में ट्रंप ने कहा कि उसे कोई ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। इसलिए अमेरिका ने ईरान पर कोई जवाबी हमला नहीं किया और ट्रंप ने दावा कर दिया कि उनकी मध्यस्थता से युद्ध विराम लागू हो गया है। कतर ने भी इस युद्ध विराम में मध्यस्थता के भूमिका अदा की। लेकिन इस युद्ध की जरूरत क्या थी, यह सवाल जस की तस बना हुआ है।

दरअसल इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता नष्ट हो गई है। परंतु पलटवार करते हुए ईरान ने कहा है कि वह अपना परमाणु कार्यक्रम जारी रखेगा। ट्रंप ने भी कह दिया कि ईरान बम बनाने से बहुत दूर हो गया है। तब इस युद्ध का परिणाम क्या निकला? परमाणु हथियारों के जानकार कह रहे हैं कि ईरान के पास 20 परमाणु हथियार बनाने की क्षमता थी, जो अब घटकर 6 बम बनाने की रह गई है। जबकि ट्रंप का घोषित लक्ष्य था कि ईरान यूरेनियम क्षमता बढ़ाने के लिए जिस तेजी से संवर्धन कर रहा है, वह तय सीमा से बाहर की बात होती जा रही है। लेकिन ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता कम भले ही हो गई हो, पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। यह तथ्य तीनों देशों के आए बयानों से सत्यापित होता है। अतएव ईरान पर किया गया बेवजह हमला, कुछ वैसा ही रहा जैसा 2003 में अमेरिकी राष्ट्रपति बुश ने ईराक पर यह कहते हुए किया था कि ईराक के पास बड़ी मात्रा में जैविक हथियार हैं। जबकि युद्ध के दौरान और युद्ध के बाद अमेरिका जैविक हथियार होने का कोई प्रमाण दुनिया को नहीं दे पाया। हां, सद्दाम हुसैन को मौत के घाट उतारने के बाद तेल के कुओं पर जरूर कब्जा कर लिया। बावजूद यह आशंका बनी हुई है कि ईरान के परमाणु ठिकानों पर जो बम गिराए हैं, उनसे यदि रिसाव होता है तो एक बड़े भू-क्षेत्र में परमाणु विकिरण का संकट पैदा हो सकता है।

अमेरिका ने ईरान के परमाणु संवर्धन प्रतिष्ठान फोदों, नतांज और इस्फहान पर अत्याधुनिक बी-2 घातक बमों से हमला किया था। इन बमों को सटीक निशाने पर दागने के लिए अमेरिकी पनडुब्बियों ने पहले दो मिसाइलों से बम गिराए, जिससे बंकर बस्टर बमों के लिए मैदान साफ किया गया। इसके बाद बम दर्शकों ने आसमान से एक के बाद एक 14 जीबीयू-57 बी बंकर बस्टर दाग दिया। इस पूरे अभियान को नतीजे तक पहुंचाने के लिए अमेरिका ने 15 युद्धक विमानों का इस्तेमाल किया। उपग्रह द्वारा निर्देशित 2400 किलो परमाणु विस्फोटक साथ ले जाने वाला यह बम जमीन में घूमता हुआ 60 मीटर गहराई तक जाने के बाद विस्फोट करके अपने लक्ष्य साधने में सफल हुआ। अमेरिका ने तीनों ठिकानों पर 14000 किलो विस्फोटक वाले बम गिराए थे, अतएव भविष्य में विकिरण का खतरा पैदा हो सकता है ?

अमेरिका ने जिन तीन परमाणु स्थलों पर हमला किया है, वह सभी ईरान के प्रमुख यूरेनियम संवर्धन ठिकाने हैं। यहां संयंत्रों में प्राकृतिक यूरेनियम को अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम में बदला जाता है। इसी यूरेनियम को प्रयोग परमाणु बम में किया जाता है। परमाणु बिजली बनाने के लिए 3-5 प्रतिशत का यूरेनियम संवर्धन पर्याप्त होता है, लेकिन हथियार बनाने के लिए यूरेनियम-235 संवर्धन की जरूरत होती है। यह हमले जिस तादाद में किए गए हैं, उससे बड़े पैमाने पर परमाणु विकिरण रिसाव की आशंका जताई जा रही हैं। परमाणु बम युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाले पारंपरिक विस्फोटाकों और रसायनों से भिन्न होते हैं। ये बहुत कम समय में बहुत अधिक मात्रा में ऊर्जा छोड़ते हैं, यह ऊर्जा अनेक कड़ियों में रसायनिक प्रक्रियाएं आरंभ कर देती हैं। जो व्यापक और दीर्घकालिक क्षति पहुंचा सकती है। परमाणु हथियार कुछ ही पलों में बड़ी मात्रा में ऊर्जा छोड़ते हैं, जो आसपास के वायुमंडल को लाखों डिग्री सेल्सियस तक गरम कर देती हैं। इस विस्फोट से अनेक प्रकार के विद्युत चुंबकीय विकिरण फैल जाते हैं, जो अत्यंत घातक होते हैं। हालांकि ईरान के इन ठिकानों में रखे परमाणु हथियारों में विस्फोट की कोई आशंका नहीं है। क्योंकि विस्फोट के लिए परमाणु उपकरणों का सहारा लेना पड़ता है। जो हमलों से संभव नहीं है, लेकिन इनमें रिसाव होता है। ऐसे में रासायनिक और रेडियोलाजिकल रिसाव दोनों ही संकट में डालने वाले होते है। रेडियोलाजिकल रिसाव 1996 में रूस के चेर्नोबिल और 2011 में तूफान आने से जापान के फुकुशिमा में हुआ था। अतएव हमलों के कारण परमाणु विकिरण रिसाव की आशंका बनी हुई है। अतएव कह सकते हैं कि अमेरिका ने परमाणु विकिरण संकट खत्म किया है या बढ़ाया है।

अमेरिका का यह हमला दुनिया के अंतरराष्ट्रीय कानून और अपने ही देश के कानूनों की परवाह नहीं करता है। इसीलिए अमेरिका के भीतर इस परमाणु हमले को लेकर अमेरिकी जनमत विभाजित दिखाई दे रहा है। दरअसल किसी देश पर हमला करने के लिए ट्रंप को अमेरिकी संसद में हमले का प्रस्ताव लाकर अनुमोदन की जरूरत थी। परंतु उन्होंने इस प्रक्रिया पर अमल नहीं किया। जबकि अमेरिका की ही बात करें तो अप्रैल 2003 में इराक पर हमले के समय बुश ने संसद से मंजूरी ली थी। इसलिए ट्रंप के समर्थकों के साथ विपक्ष भी नाराज है। नाटो देश भी इस युद्ध पर सहमत दिखाई नहीं दिए। रूस और चीन खुले रूप में ईरान के पक्ष में खड़े दिखाई दिए। चूंकि भारत के ईरान और इजरायल दोनों से ही मधुर, कूटनीतिक संबंध हैं, इसलिए तटस्थ रहते हुए षांति की पहल करता रहा।

अंतरराष्ट्रीय कानून परमाणु बम के उपयोग को मानवता के विरुद्ध अमानुशिक कृत्य मानते हैं। इनके उपयोग के बाद संयुक्त राश्ट्र सुरक्षा परिशद (यूएनएससी) के कठोर आर्थिक व राजनीतिक प्रतिबंधों का सामना भी करना पड़ता है। लेकिन जितनी भी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं हैं, वे सब अमेरिका या अन्य पश्चिमी देशों के दबाव में रहती हैं। यही देश इन संस्थानों को चलाने के लिए धन मुहैया कराते हैं और इन्हीं देशों के लोग इन संस्थानों के सदस्य होते हैं, इसलिए यहां पक्षपात साफ दिखाई देता है। अतएव ईरान में परमाणु विकिरण फैल भी जाए, तब भी अमेरिका के विरुद्ध कोई प्रतिबंध लगाना असंभव है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने तो कह ही दिया था कि यह संघर्ष बड़ा रूप ले सकता है। अतएव संकट का कूटनीतिक हल निकालना जरूरी है। इसलिए ईरान का परमाणु कार्यक्रम रोकना जरूरी है। उसे समझौते के लिए बात करनी चाहिए। बातचीत से कूटनीति हल तो नहीं निकला लेकिन अमेरिका की धमकी ने युद्ध विराम का काम कर दिया। ईरान ने अमेरिकी सहयोग से 1957 में परमाणु कार्यक्रम षुरू किया था। 1970 में परमाणु बिजली घर बना लिया था। वर्ष 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद अमेरिका ने ईरान को सहयोग करना बंद कर दिया। बावजूद पश्चिमी देश ईरान पर परमाणु बम बना लेने का आरोप लगाते रहे। परमाणु अप्रसार संधि में शामिल होने के बाद भी ईरान पर शंकाएं की जाती रहीं। इजरायल ने जासूसी करके कुछ ऐसे सबूत जुटाए जिनसे यूरेनियम संवर्धन की आशंका मजबूत हुई। वर्ष 2000 में वैश्विक परमाणु निरीक्षकों को नतांज में सवंर्धित यूरेनियम मिला। हालांकि ईरान ने पहले संवर्धन रोक दिया था, लेकिन इजरायल की बढ़ती सामरिक क्षमता के चलते उसने गुपचुप परमाणु कार्यक्रम षुरू कर दिया था। इस कारण ईरान पर पश्चिमी देशों ने यह कहते हुए अनेक आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे कि ईरान परमाणु बम बनाने के निकट पहुंच गया है। बाद में कई साल चली वार्ता के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने प्रतिबंध हटा लिए थे। इस समझौते में ईरान को असैन्य यूरेनियम संवर्धन को 3.67 प्रतिशत तक रखना मान्य कर लिया था। लेकिन 2018 में जब डोनाल्ड ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने तो उन्होंने समझौते से हाथ खींच लिए और ईरान पर कई प्रतिबंध लगा दिए। 2023 में आईएईए ने कहा कि ईरान में 83.7 प्रतिशत शुद्धता के यूरेनियम कण मिले हैं और उसके पास 128.3 किलो संवर्धित यूरेनियम है। मई 2025 में आईएईए ने दावा किया कि ईरान के पास 60 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम की मात्रा 408 किलो है। इससे कई परमाणु बम बनाए जा सकते है। इसे ही नष्ट करने के लिए युद्ध और युद्ध विराम का यह खेल खेला गया। लेकिन अब ईरान ने कह दिया है कि वह अपना परमाणु कार्यक्रम जारी रखेगा। तब फिर इस युद्ध के परिणाम क्या निकले।

## नजरिया

# चिंता का सबब बनता युवा सोच पर नशे का ग्रहण

**योगेश कुमार गोयल**

**मोबाइल : 9416740584**

विश्व के अनेक देशों में लोगों में और खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए ही हर साल 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। जहां तक भारत की बात है, चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। वास्तव में मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या ऐसे ही अन्य मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं।

युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं।

देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं।

वर्ष 1993 में प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक मौत को 'खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से बताया है बताया है कि कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है।

देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है।

हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं और यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्त्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

**महत्त्वपूर्ण**

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

# आपातकालः ...जब मोदी जी ने 'स्वामीजी' के वेश में की यात्राएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आपातकाल के दौरान प्रतिबंधित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्य के रूप में पहचाने जाने से बचने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न वेश धारण कर यात्राएं कीं। एक बार ऐसे ही जब उन्हें संघ के कार्यकर्ताओं से मिलना था जो वह 'स्वामीजी' का वेश धारण कर जेल पहुंच गये जहां उन्होंने जेल में बंद कार्यकर्ताओं से करीब एक घंटे तक बात की। आपातकाल के दौरान मोदी की यात्राओं का उल्लेख करने वाली एक पुस्तक में यह बात कही गई है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए 21 महीने लंबे आपातकाल के दौरान एक युवा आरएसएस प्रचारक के रूप में मोदी ने विभिन्न वेश धारण कर यात्राएं कीं, हिंदुत्व संगठन के साथी कार्यकर्ताओं सहित अन्य लोगों के साथ बैठकें कीं, जेल में बंद लोगों के परिवारों के लिए सहायता का प्रयास किया तथा आपातकाल विरोधी साहित्य का नियमित प्रकाशन एवं वितरण सुनिश्चित किया। 'ब्लूक्राफ्ट' ने उस अवधि के दौरान भूमिगत अभियान में मोदी की भूमिका का विवरण देने के लिए द इमरजेंसी डायरीज – इयर्स दैट फोर्ज्ड ए लीडर प्रकाशित की है। यह पुस्तक उस समय मोदी से जुड़े कई लोगों से बातचीत पर आधारित है। पुस्तक के कुछ अंशों में गुजरात के नडियाद के आरएसएस स्वयंसेवक हसमुख पटेल के हवाले से कहा गया है कि मोदी उस समय भी नवोन्मेषी कार्यों के प्रति उत्सुक थे। उन्होंने बताया कि मोदी ने आपातकाल विरोधी साहित्य को नाइयों की दुकानों में रखने का सुझाव दिया था, जहां विभिन्न वर्गों के लोग एकत्र होते थे।

पुस्तक में कहा गया है, मोदी ने न केवल आपातकाल विरोधी साहित्य का नियमित प्रकाशन सुनिश्चित किया, बल्कि पूरे गुजरात में इसे वितरित करने की जोखिम भरी जिम्मेदारी भी निभाई। उस अंधकारमय समय में, साहित्य और प्रकाशनों ने नागरिकों के दिलों में लोकतांत्रिक लौ को जलाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें कहा गया है कि मोदी अपनी गतिविधियों को जारी रखने के लिए अक्सर सिख का भेष धारण करते थे। इसमें कहा गया है, उनका सरदारजी वाला भेष ऐसा था कि उनके करीबी परिचित भी उन्हें पहचान नहीं पाते थे। जूनागढ़ के पत्रकार विष्णु पंड्या बताते हैं कि राष्ट्रीय स्तर की 'संघर्ष समिति' के सदस्य के रूप में मोदी ने इस काले कानून के खिलाफ व्यापक राष्ट्रव्यापी आंदोलन में योगदान दिया और भावनगर जेल में बंद कार्यकर्ताओं से मिलने का फैसला किया जिनमें स्वयं पंड्या भी शामिल थे। पंड्या बताते हैं कि जयप्रकाश नारायण से जुड़े संगठन 'सर्वोदय' के सदस्य अक्सर बंदियों के लिए किताबें लाते थे। पंड्या कहते हैं, मोदी के लिए जेल आकर हमसे मिलने का यह एक अच्छा अवसर था। सितंबर 1976 में व्यापक तैयारियों के बाद मोदी भावनगर पहुंचे। उन्होंने 'स्वामीजी' के वेश में जेल परिसर में प्रवेश किया और अपने 'अनुयायियों' से मिलने की अनुमति सफलतापूर्वक प्राप्त कर ली।

## रोड शो

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांथी में रोड शो के दौरान।

# 'आंधी' से लेकर 'नसबंदी' तक आपातकाल के दौरान कई फिल्मों को सेंसरशिप का सामना करना पड़ा

नई दिल्ली/भाषा। आपातकाल के 21 महीनों के दौरान सरकार ने कला और सिनेमा जगत पर कठोर सेंसरशिप लागू की थी। इस दौरान ऐसी कई फिल्मों को अपनी विषयवस्तु को लेकर सेंसरशिप का सामना करना पड़ा था, जिनका निर्माण पूरा हो गया था या उन्हें बनाया जा रहा था। यहां उन प्रमुख फिल्मों की सूची दी गई है जिन्हें आपातकाल के दौरान प्रतिबंधित किया गया, जिन पर रोक लगायी गयी या जिन्हें सेंसरशिप का सामना करना पड़ा:

1) आंधी– माना जाता है कि यह फिल्म तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन से प्रेरित है। गुलजार की 1975 में आयी इस फिल्म को रिलीज होने के कुछ समय बाद ही प्रतिबंधित कर दिया गया था। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने कहा कि यह एक काल्पनिक कहानी है, लेकिन सुचित्रा सेन द्वारा निभाए गए मुख्य किरदार आरती देवी और इंदिरा गांधी के बीच समानताओं को नज़रअंदाज करना मुश्किल था, खासकर उनके बालों में सफ़ेद धारियां। आपातकाल खत्म होने के बाद फिल्म से प्रतिबंध हटा लिया गया था।

2) किस्सा कुर्सी का– फिल्म निर्माता अमृत नाहटा द्वारा उस वक्त के राजनीतिक परिदृश्य पर व्यंग्य करते हुए बनाई गई इस फिल्म के 'नेगेटिव' को नष्ट कर दिया गया था और इसके प्रिंट को तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री वी.सी. शुक्ला ने जब्त कर लिया था, जो इंदिरा गांधी के छोटे बेटे संजय गांधी के करीबी थे। फिल्म का मुख्य किरदार गंगाराम संजय गांधी पर आधारित था और इसमें शबाना आज़मी, राज बब्बर, राज किरण और उत्पल दत्त भी थे।

3) आंदोलन– लेख टंडन द्वारा निर्देशित यह फिल्म 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन से संबंधित थी। यह एक भारतीय शिक्षक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने गृहनगर में ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार के खिलाफ विद्रोह शुरू करता है।

राकेश पांडे और नीतू सिंह अभिनीत इस फिल्म को आपातकाल के दौरान सेंसरशिप का सामना करना पड़ा।

# इस तानाशाही कृत्य पर मेरी अंतरात्मा ने बगावत कर दीः देव आनंद ने कहा था

नई दिल्ली/भाषा। हिंदी फिल्म के दिग्गज अभिनेता देव आनंद ने अपनी आत्मकथा 'रोमांसिंग विद लाइफ' में लिखा है कि जब उन्होंने युवा कांग्रेस और इसके नेता संजय गांधी के पक्ष में बोलने का जोरदार और मुखरता से विरोध किया तो उनकी फिल्मों को टेलीविजन पर दिखाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया और सरकारी मीडिया पर उनके नाम का उल्लेख करने पर भी रोक लगा दी गई थी।

अभिनेता ने साल 2007 में लिखी आत्मकथा 'रोमांसिंग विद लाइफ' में आपातकाल की अवधि तथा उसके बाद के महीनों का विस्तार से वर्णन किया है। आज आपातकाल को 50 साल पूरे हो गए हैं। फिल्म 'बाजी', 'टैक्सी ड्राइवर', 'गाइड' और 'ज्वेल थीफ' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेता बताते हैं कि उनकी परेशानियां तब शुरू हुईं जब 'कांग्रेस की युवा शाखा की एक बेहद आकर्षक युवती' ने उन्हें संजय गांधी के नेतृत्व में आयोजित एक युवा रैली में शामिल होने के लिए कहा था। दिल्ली में आयोजित इस रैली में अभिनेता को पार्टी के सभी बड़े लोगों के अलावा अपने साथी दिलीप कुमार भी मिले।

देव आनंद ने अपनी किताब में लिखा, यह साफ तौर पर एक सुनियोजित रणनीति प्रतीत होती थी कि संजय गांधी को जनता के बीच स्वीकार्य करवाया जाए और वह भी ऐसे समय में जब कानून का शासन, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली के सभी मानकों को दबा दिया गया था। उन्होंने लिखा, आपातकाल केवल इस मकसद से लगाया गया था कि सत्ताधारी पार्टी सत्ता में बनी रहे और उस देश पर अपनी पकड़ बनाए रखे जो देश कभी विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलाता था। देव आनंद का 88 वर्ष की आयु में साल 2011 में निधन हो गया था। उन्होंने किताब में लिखा था कि इस रैली के बाद अभिनेताओं से टेलीविजन पर युवा कांग्रेस और उसके नेता के बारे में कुछ शब्द कहने के लिए कहा गया था। अभिनेता ने कहा, दिलीप भी आपातकाल के समर्थन में किसी भी तरह के प्रचार कार्यक्रम में जाने से हिचक रहे थे, लेकिन मैंने इस सुझाव का जोरदार और मुखर तरीके से विरोध किया, जिसका नतीजा यह हुआ कि न केवल मेरी सभी फ़िल्मों को टेलीविज़न पर दिखाने पर पाबंदी लगा दी गई बल्कि किसी भी सरकारी मीडिया में मेरे नाम का उल्लेख या संदर्भ देना भी मना कर दिया गया। ठीक वैसे ही जैसे किशोर कुमार के साथ किया गया था। उन्होंने भी उनके एक कार्यक्रम में जाकर गाने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा, इस तानाशाहीपूर्ण कृत्य से मेरी अंतरात्मा ने विद्रोह कर दिया।

इसके बाद देवानंद ने दिल्ली में सूचना एवं प्रसारण मंत्री को फोन करके उनसे मिलने का समय मांगा और विरोध जताया। बाद में आपातकाल हटने पर जब जनता सरकार बनी तो कुछ ही सालों के भीतर देवानंद का उससे भी मोह भंग हो गया। और यहीं से उनके दिमाग में अपनी खुद की पार्टी बनाने का विचार आया जिसे 'नेशनल पार्टी आफ इंडिया' नाम दिया गया।

# भाग्यश्री ने सोशल मीडिया पर शेयर की केन्या के मसाई मारा की तस्वीरें

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री भाग्यश्री ने सोशल मीडिया पर अफ्रीकी देश केन्या के मसाई मारा नेशनल रिजर्व की अपनी यात्रा की तस्वीरें शेयर करते हुए इसे सबसे अद्भुत और अनमोल पलों में से एक बताया। 'मैंने प्यार किया' की अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर उन सभी जानवरों की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिन्हें उन्होंने वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में की अपनी यात्रा के दौरान देखा था, जैसे जेबरा, जिराफ, हाथी, गैंडा, हिरण, दूसरे जंगली जानवर और मगरमच्छाउन पलों को याद करते हुए भाग्यश्री ने कैप्शन में लिखा, सोमवार की यादें! मसाई मारा.. मेरे लिए सबसे अद्भुत और अनमोल अनुभवों में से एक। ये कुछ ऐसे जानवर हैं, जिनसे हम करीब से मिले... बेशक शेर थे, ... और फिर जेब्रा, जिराफ, हाथी, गैंडे, हिरण, जंगली जानवर, मगरमच्छ और भी बहुत कुछा यह हमें एहसास कराता है कि मनुष्य के रूप में हम अपनी जगह शेयर करने में कितने सक्षम है। मुझे खुशी है कि मैंने इसे अपनी बकेट लिस्ट में शामिल किया।

इससे पहले, इस महीने की शुरुआत में भाग्यश्री ने अपने पति हिमालय दासानी के बारे में एक प्यारा सा खुलासा किया था कि उनकी शादी को कई साल हो चुके हैं, लेकिन हिमालय ने कभी आधिकारिक तौर पर उन्हें प्रपोज नहीं किया। हालांकि, इसकी भरपाई करने के लिए उन्होंने हाल ही में एक फोटोशूट के दौरान रोमांटिक प्रपोजल से उन्हें सरप्राइज दिया।

इस खास पल की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए भाग्यश्री ने लिखा था, पति का प्रपोजल! राज खुल गया... चाहे हिमालय जी के रोमांटिक पति होने के बारे में सभी कुछ भी सोचते हों.. वह पहले ऐसे नहीं थे और मैं उनसे कहती रही कि उन्होंने कभी मुझे प्रपोज ही नहीं किया।

तो मैं यहां फोटोशूट के बीच में थी और मुझे आश्चर्य हुआ कि उन्होंने इस गाने के साथ हमें बीच में रोक दिया। पति ने आखिरकार अपने घुटनों पर बैठने का फैसला किया। कुछ कैंडिड तस्वीरें शेयर कर रही हूं जो मेरे फोटोग्राफर ने क्लिक की हैं।

# आपातकाल भारत के इतिहास का सबसे काला अध्याय : पवन कल्याण

अमरावती/एजेन्सी

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, जनसेना नेता और अभिनेता पवन कल्याण ने बुधवार को कहा कि 1975 में लगाया गया आपातकाल स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे काला अध्याय था। उन्होंने आपातकाल को केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि संविधान के साथ विश्वासघात, लोकतंत्र का मखौल और तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व की सत्ता की लालसा का प्रतीक बताया। पवन कल्याण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, प्रेस को चुप कर दिया गया, विपक्ष की आवाज को दबा दिया गया और मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस, मोरारजी देसाई जैसे महान नेताओं को जेल में डाल दिया गया।

उन्होंने कहा कि आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर 'संविधान हत्या दिवस' मनाया जा रहा है, ताकि उन लोगों के बलिदान को याद किया जाए, जिन्होंने तानाशाही के खिलाफ डटकर मुकाबला किया और लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखा। पवन कल्याण ने आगे कहा, हमें उन नेताओं के बलिदान और लाखों लोगों की पीड़ा को याद रखना चाहिए, जिनकी आवाज को दबाया गया। आज भी हमें संविधान को राजनीति के नाम पर कमजोर करने की कोशिशों से सावधान रहना होगा। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी 'एक्स' पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, 1975 में कांग्रेस द्वारा लगाया गया आपातकाल भारत के लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय था। संविधान को कुचला गया, लाखों लोगों को जेल में डाला गया, मीडिया को चुप कराया गया और लोकतंत्र की हत्या की गई, सिर्फ एक परिवार को सत्ता में बनाए रखने के लिए। उन्होंने जोड़ा, जिन्होंने अपनी कुर्सी बचाने के लिए देश को जेल बनाया, उन्हें कभी भूलना नहीं चाहिए। संविधान से ऊपर कोई नहीं है और हम ऐसी तानाशाही को दोबारा नहीं होने देंगे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा, यह वह दिन था जब लोकतंत्र को दबाया गया और तानाशाही हावी हो गई।

# 'मां' से बेहतर कोई टाइटल नहीं : काजोल

नई दिल्ली/एजेन्सी

एक्ट्रेस काजोल की अपकमिंग फिल्म 'मां' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। माइथोलॉजिकल-हॉरर की दुनिया में कदम रखने जा रहीं काजोल ने फिल्म के टाइटल की तारीफ करते हुए कहा कि इस फिल्म के लिए 'मां' से बेहतर कोई टाइटल नहीं हो सकता था। काजोल ने बताया, 'मां' वह पहला शब्द है, जिसे बच्चे न केवल सबसे पहले बोलते बल्कि महसूस भी करते हैं। बच्चा सबसे पहले अपनी मां की ओर मुड़ता है। मेरे लिए 'मां' का मतलब देवी और मेरी मां तनुजा दोनों हैं। उन्होंने कहा कि 'मां' फिल्म का वर्किंग टाइटल था, लेकिन इसे बनाते समय यह शब्द इतना गहरा लगा कि इससे बेहतर कोई नाम नहीं हो सकता था।

काजोल का मानना है कि बॉलीवुड में हॉरर फिल्में कम बनी हैं। उन्होंने बताया, बॉलीवुड में हॉरर फिल्में बहुत कम बनी हैं। कुछ ही फिल्में देखने को मिलती हैं। 1970-80 के दशक में रैमसे ब्रदर्स की डरावनी फिल्में बहुत लोकप्रिय थीं, जिन्हें आज भी लोग याद करते हैं। फिर साल 2002 में 'रहस्य' जैसी हिट फिल्म आई, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद साल 2003 में 'भूत' जैसी साइकोलॉजिकल-थ्रिलर फिल्म बनी, जिसमें अजय देवगन थे। कुल मिलाकर, बॉलीवुड में हॉरर फिल्में कम हैं, लेकिन इन फिल्मों ने अपनी गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने कहा, 'मां' एक हॉरर फिल्म है, लेकिन इसमें इमोशन्स भी हैं। यही वजह है कि मैंने इस फिल्म में काम करने का फैसला लिया। अगर इसमें इतना मजबूत भावनात्मक आधार न होता, तो शायद मैं इस फिल्म को हां नहीं कहती। यह सिर्फ हॉरर नहीं, बल्कि माइथोलॉजिकल हॉरर है, जिसमें कल्चर और थ्रिलर का सही मिश्रण है। काजोल ने कहा कि बॉलीवुड में बेहतर स्क्रिप्ट्स की जरूरत है। उन्होंने बताया, हम सभी बेहतर कहानियों और मजबूत लेखन की ओर काम कर रहे हैं। हालांकि, हॉरर फिल्म कोई करना नहीं चाहता, ऐसा भी नहीं है। हम सही स्क्रिप्ट का इंतजार कर रहे थे। 'मां' एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को भावनात्मक और रोमांचक अनुभव देगी। हॉरर फिल्म 'मां' 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा आडवाणी

मुंबई/एजेन्सी

मीना कुमारी की बायोपिक की घोषणा के बाद से ही कई बड़ी एक्ट्रेसेस इस फिल्म का हिस्सा बनने की दौड़ में हैं। अब खबर है कि इस आइकोनिक रोल के लिए मेकर्स ने कियारा आडवाणी को अप्रोच किया है। इस मेगाबजट फिल्म के राइट्स सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने सारेगामा और अमरोही परिवार के साथ मिलकर खरीदे हैं। बड़े स्तर पर बनाई जा रही इस फिल्म को लेकर पहले से ही जबरदस्त चर्चा है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की टीम मानती है कि मीना कुमारी जैसी दिग्गज अदाकारा का किरदार निभाने के लिए कियारा एक बेहतरीन चॉइस हैं। स्क्रिप्ट कियारा को सुनाई जा चुकी है और उन्हें कहानी काफी पसंद भी आई है। हालांकि अभी उन्होंने आधिकारिक तौर पर हामी नहीं भरी है। अगर कियारा इस प्रोजेक्ट के लिए हां करती हैं, तो यह उनकी प्रेग्नेंसी के बाद शूट होने वाली पहली फिल्म हो सकती है, जो इस प्रोजेक्ट को और खास बना देती है।

कियारा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स पर नजर डालें तो 'वार 2', 'टॉक्सिक' और अब मीना कुमारी की बायोपिक उनकी फिल्मों की लाइनअप वाकई दमदार दिख रही है। अब एक बड़ा सवाल ये भी है कि फिल्म में कमाल अमरोही का किरदार कौन निभाएगा? क्योंकि मीना कुमारी और कमाल अमरोही की कहानी में उनकी केमिस्ट्री ही फिल्म की जान होगी। आपकी क्या राय है कमाल अमरोही का रोल कौन निभाए, जो कियारा के साथ इस कहानी में जान डाल सके?

# 'निकिता रॉय' और 'मां' जैसी महिला आधारित फिल्मों के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा है : सोनाक्षी

मुंबई/भाषा

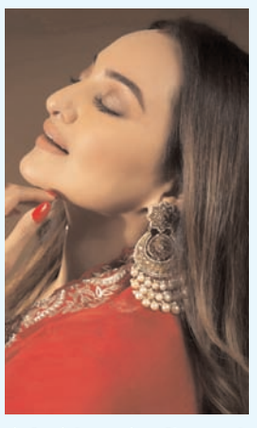

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का कहना है कि महिलाओं पर आधारित उनकी फिल्म 'निकिता रॉय' और अभिनेत्री काजोल की फिल्म 'मां' का एक साथ रिलीज होना एक बहुत खास पल है। 'निकिता रॉय' और 'मां' ये दोनों फिल्में 27 जून को एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं। सोनाक्षी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा , यह बहुत अच्छी बात है कि महिलाओं पर आधारित दो फिल्में एक साथ रिलीज हो रही हैं। यह सही दिशा में उठाया गया कदम है। ये दोनों अलग-अलग फिल्में हैं और हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। यह दोनों फिल्मों के बीच अच्छी और स्वस्थ स्पर्धाकी तरह है। अभिनेत्री ने कहा , मैंने 'मां' फिल्म का ट्रेलर देखा है और मुझे यह पसंद आया। काजोल एक अद्भुत अभिनेत्री हैं। वह ऐसी शख्सियत हैं जिनका मैं सम्मान करती हूं और मैं उनकी प्रशंसक हूं।

ये दोनों ही फिल्में महिला सशक्तीकरण को दर्शाती हैं और ये एक ऐसा विषय है जिससे सोनाक्षी भावनात्मक तौर पर जुड़ी हुई हैं। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने सालों से महिलाओं को सशक्त बनाने वाली भूमिकाएं चुनने का प्रयास किया है, चाहे वह 'अकीरा' हो , दहाड़' हो या फिर 'हीरामंडी'। सिन्हा ने कहा , पिछले आठ-नौ साल में मैंने जो भी फ़िल्में चुनी हैं, उनसे मैंने यह स्पष्ट कर दिया है कि मैं सशक्त महिला किरदार निभाना चाहती हूं। 'निकिता रॉय' में सिन्हा एक ऐसा किरदार निभा रही हैं जो अलौकिक दावों को खारिज करती है और धोखाधड़ी को उजागर करने के साथ भ्रामक धारणाओं को तोड़ती है। लेकिन जब उसका सामना ऐसे मामले से होता है जो सभी मान्यताओं को चुनौती देता है, तो उनका दृढ़ विश्वास डगमगाने लगता है। 'फोबिया' के निर्देशक पवन कृपलानी द्वारा लिखी गई 'निकिता रॉय' धारणा और वास्तविकता के बीच की नाजुक कड़ी के इर्दगिर्द घूमती है।

फिल्म का निर्देशन सोनाक्षी के भाई कुश एस सिन्हा कर रहे हैं, जो बतौर निर्देशक अपनी पहली फिल्म बना रहे हैं।

अभिनेत्री ने कहा , यह एक ऐसी कहानी है जो लंबे समय से मेरे पास है, जब कुश 2021-2022 में कहानी लेकर मेरे पास आए थे। तब मैंने कहा था कि यह इस बात का प्रमाण है कि अगर कोई भूमिका आपके लिए लिखी गई है, तो वह हमेशा आपके पास आती है। जब सोनाक्षी से उनकी 2012 की फिल्म 'सन ऑफ सरदार' के 'सीक्वल' में उनके नजर नहीं आने के बारे में पूछा गया, तो सिन्हा ने कहा कि वह इससे परेशान नहीं हैं और उनका मानना है कि निर्माताओं के पास उन्हें न लेने का कोई कारण होगा। उन्होंने कहा , मैंने 'सन ऑफ सरदार' के किसी निर्माता से बात नहीं की है। लेकिन मुझे यकीन है कि उनके पास (मुझे शामिल नहीं करने का) एक बड़ा कारण होगा, शायद 'सीक्वल' में कहानी या किरदार वैसा न हो। अगर उन्होंने मेरे किरदार के लिए किसी और को चुन लिया होता, तो मुझे चिंता होती। लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐसा है। मैं इसे लेकर बहुत परेशान नहीं हूं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देती हूं। 'निकिता रॉय' में अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नय्यर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्माण निकी भगनानी और विक्की भगनानी ने किया है। आनंद मेहता, प्रकाश नंद बिजलानी, शक्ति भटनागर, मेहनाज शेख और प्रेम राज जोशी सह-निर्माता हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 26-06-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

कोप्पल के निवासी जैन मुनि वीरविमलसागरजी को लेकर पहली बार कोप्पल आए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवेश के मौके पर बुधवार को स्थानीय महावीर समुदाय भवन में उपस्थित जनों से कहा कि करीब साढ़े पांच वर्ष पूर्व अपने सुपुत्र को नन्हीं आयु में धर्म के पथ पर अर्पित कर मेहता परिवार ने गौरवशाली काम किया है।

## 'सभा आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत तेरापंथ सभा गांधीनगर पहुंची ईटा गार्डन अपार्टमेन्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में तेरापंथी महासभा निर्देशित 'सभा आपके द्वार' अभियान के अंतर्गत तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली के नेतृत्व में सभा प्रतिनिधि मंडल ईटा गार्डन अपार्टमेन्ट पहुंचा, जहां पर लगभग 25 परिवारों से मिलकर सभा की गतिविधियों की जानकारी दी। अध्यक्ष पारसमल भंसाली, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, संगठन मंत्री राजेंद्र बाफना व रमेश दक ने प्रत्येक परिवार के पास जाकर सभा की समस्त गतिविधियों की जानकारी दी। हर परिवार को श्रावक संदेशिका भेंट कर धर्म संघ के प्रति श्रावकों के दायित्व का बोध कराया और साथ ही प्रत्येक परिवार में बच्चों को ज्ञानशाला भेजने हेतु प्रेरित किया। प्रतिनिधिमंडल ने आगामी 6 जुलाई को गांधीनगर तेरापंथ भवन में घोषित मुनि डॉ पुलकित कुमार जी के चातुर्मास प्रवेश व उसी दिन शाम 6 बजे से पैलेस ग्राउंड पर आयोजित धम्मजागरण भी की जानकारी दी।

## जैन सेवा मंडल ने अमावस्या के मौके पर किया अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन सेवा मंडल के तत्वावधान में बुधवार को अमावस्या के उपलक्ष्य में 116वीं महावीर प्रसादी का वितरण का आयोजन तिम्मैया रोड स्थित किशनलाल फूलचंद लूनिया मेटरनिटी होम के बाहर किया गया। महावीरचंद-चंपाबाई डूंगरवाल परिवार के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में सैंकड़ों जरूरतमंदों को महावीर प्रसादी वितरित की गई। इस अवसर पर चांदमल सियाल, ताराचंद लुणावत, उत्तमचंद लुणावत, महावीरचंद गदिया, शांतिलाल चुतर, अशोक खिंवेसरा, दिनेश लोढ़ा, प्रमोद संघवी सहित मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

## गुरु गणेश सेवा समिति ने किया अमावस्या महाप्रसादी अन्नदान कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरु गणेश सेवा समिति बेंगलूरु द्वारा प्रतिमाह की अमावस्या को आयोजित की जाने वाली महाप्रसादी का 89वां आयोजन यहां के मैसूर बैंक सर्कल स्थित हनुमानजी मंदिर के समीप बुधवार को संपन्न हुआ, जिसमें करीब चार हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया गया।

समिति के सदस्यों के सामूहिक सौजन्य से हुए इस आयोजन में अध्यक्ष किरणचन्द बोहरा, चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, कोषाध्यक्ष मनोहर लाल बाफना, आशीष बाफना, अनिल पोकरणा, मुकेश कांटेड, उत्तमचंद मुथा, प्रकाशचंद बाफना सहित अनेक सदस्यों ने अपने हाथों से अन्नदान किया।

## जब इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान जेपी के इलाज के लिए 90 हजार रुपए दान किए

नई दिल्ली/भाषा। आपातकाल के समय के एक प्रकरण का उल्लेख कम ही होता है जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने कट्टर आलोचक और आपातकाल विरोधी आंदोलन के नेता जयप्रकाश नारायण के इलाज के लिए चुपचाप 90,000 रुपए की राशि दान की थी। एक नई किताब से पता चलता है कि यह दान उस समय दिया गया था जब जेपी नाम से मशहूर नारायण का स्वास्थ्य खराब हो गया था और उन्हें जीवन रक्षक पोर्टेबल डायलिसिस मशीन की आवश्यकता थी।

हालांकि जेपी ने पैसे लेने से इनकार कर दिया था। आपातकाल घोषित होने के कुछ ही घंटे बाद 26 जून, 1975 को गिरफ्तार किए गए जयप्रकाश नारायण ने चंडीगढ़ में हिरासत में पांच महीने बिताए और उन्हें उसी साल नवंबर में 30 दिन की पैरोल पर रिहा किया गया

सुगत श्रीनिवासराजू द्वारा लिखित पुस्तक 'द कॉन्शन्स नेटवर्क: ए क्रॉनिकल ऑफ रेजिस्टेंस टू ए डिक्टेटरशिप' के अनुसार, हिरासत में रहने के दौरान जेपी को किडनी फेल होने का पता चला और जीवित रहने के लिए उन्हें आजीवन डायलिसिस की

आवश्यकता थी। किताब में लिखा गया है, बहुत जल्द ही उनके इलाज का खर्च और उन्हें नियमित रूप से जरूरी डायलिसिस चिंता का विषय बन गया। समय के साथ यह तय हुआ कि नियमित रूप से अस्पताल जाने के बजाय पोर्टेबल डायलाइजर मशीन बेहतर रहेगी। यह भी तय हुआ कि सरकार की मदद स्वीकार नहीं की जाएगी। इसलिए, उनके प्रशंसकों ने डायलाइजर के लिए पैसे जुटाना शुरू कर दिया।

जैसे ही उनकी खराब सेहत की खबर फैली, भारत और विदेश में उनके समर्थकों ने संसाधन जुटाने शुरू कर दिए। किताब के अनुसार, योजना यह थी कि महंगी डायलिसिस मशीन के लिए लोगों से प्रति व्यक्ति 1 रुपया इकट्ठा किया जाए। हालांकि, इसकी प्रगति धीमी रही।

किताब के मुताबिक, उस समय, इंदिरा गांधी को इन कोशिशों के बारे में पता चला, उन्होंने अपने योगदान के रूप में एक अच्छी खासी रकम वाला चेक भेजा।

हालांकि, आपातकाल से कुछ हफ्ते पहले अमेरिका में गठित प्रवासी भारतीयों के नेतृत्व वाला संगठन 'इंडियन्स फॉर डेमोक्रेसी' (आईएफडी) इंदिरा गांधी के दान की खबर से निराश हो गया। समूह ने धन जमा कर रहे गांधी शांति फाउंडेशन के राधाकृष्ण से पैसे वापस करने का आग्रह किया।

आईएफडी के एक सदस्य आनंद कुमार याद करते हैं, मुझे बताया गया कि अगर चेक स्वीकार कर लिया गया तो जेपी के प्रशंसकों को बहुत निराशा होगी... हमने जेपी से इंदिरा गांधी का चेक वापस करने का अनुरोध किया। यह पूरी तरह से हमारे हस्तक्षेप पर लौटाया गया था। उन्होंने आगे कहा कि उनके संगठन ने बाकी राशि जमा करने का संकल्प लिया था। आईएफडी ने नारायण के लिए एक पोर्टेबल डायलिसिस मशीन की खरीद और रखरखाव के लिए 5 लाख रुपए (उस समय लगभग 65,000 अमेरिकी डॉलर) जुटाने के लिए एक वैश्विक अपील शुरू की और सफलतापूर्वक राशि एकत्र की।

# धर्म और राष्ट्र के लिए संतान का समर्पण सबसे महान : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

## कोप्पल के संत का पहली बार हुआ पदार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। कोप्पल के निवासी जैन मुनि वीरविमलसागरजी को लेकर पहली बार कोप्पल आए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवेश के मौके पर बुधवार को स्थानीय महावीर समुदाय भवन में उपस्थित जनों से कहा कि करीब साढ़े पांच वर्ष पूर्व अपने सुपुत्र को नन्हीं आयु में धर्म के पथ पर अर्पित कर मेहता परिवार ने गौरवशाली काम किया है। आधुनिक युग में जब हमारे किशोर और युवा गलत आदतों के अधीन होकर अपना जीवन बरबाद कर रहे हैं, तब धर्म या राष्ट्र के लिए अपनी संतान को समर्पित करना महत्तम त्याग है। हजारों लाखों परिवारों के लिए यह त्याग किसी आश्चर्य से कम नहीं है। जैन धर्म के पिछले पच्चीस सौ वर्षों के इतिहास में ऐसे हजारों बालक हैं, जो नन्हीं उम्र में संन्यास ग्रहण कर विद्वान संत या आचार्य बने। जिन्होंने समाज, धर्म, राष्ट्र और मानवता के अनेक ऐतिहासिक कार्य किए। आर्य जंबू, आर्य सुहस्ति, आचार्य सिद्धसेन, आचार्य हरिभद्र, आचार्य हेमचंद्र आदि अनेक ऐसे नाम हैं, जो इतिहास में अमर हो गए। जमाना उन्हें कभी भूल नहीं पाएगा।

विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मोह और परिग्रह बहुत मजबूत होते हैं इसलिए धन, भोजन, वाहन, समय या अपना घर किसी को देना सरल नहीं है। ऐसा त्याग सामान्यतया कोई करता नहीं, ज्यादातर लोगों में ऐसी उदारता नहीं होती। दुनिया अधिक से अधिक इकट्ठा करना चाहती हैं, त्याग करना लगभग कोई नहीं चाहता। इसलिए वे माताएं और वे परिवार सचमुच महान् होते हैं जो अपनी संतानों को धर्म, राष्ट्र या मानवता की राह पर अर्पित कर देते हैं। उनके बलिदान की बराबरी शायद कोई नहीं कर सकता। त्याग और बलिदान की यह संस्कृति ही धर्म और राष्ट्र का गौरव है। बुधवार को तेरापंथ धर्मसंघ के संत आकाश मुनिजी ने आचार्यश्री से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि धर्म और समाज की रक्षा में हम सभी की रक्षा है। गणि पद्मविमलसागरजी ने प्राचीन जैनाचार्य हरिभद्रसूरि के कथन को आधार बनाकर कहा कि कभी भगवान से कुछ मांगने का समय आए तो कल्याणमित्र का साथ मांगना। सामान्य घनिष्ठ मित्र हमारे धन, परिवार, स्वास्थ्य और सुख की चिंता करेंगे, जबकि कल्याणमित्र हमारे आत्महित, धर्महित और कल्याण की चिंता करेगा। सैकड़ों मित्रों की भीड़ में भी एक कल्याणमित्र महत्वपूर्ण होता है। गलतियों और अपराधों से हमें बचाए तथा सही पथ पर आगे बढ़ाए, वही मित्र कल्याणमित्र कहा जाता है। इससे पूर्व चौपड़ा भवन के पास मेहता परिवार की ओर से संतों का भव्य स्वागत किया गया। शहर के राजमार्गों से उनकी शोभायात्रा निकाली गई। सैकड़ों भक्तजन स्वागत यात्रा में सम्मिलित हुए। मां संतोषदेवी ने अपने पुत्र और गुरु के आगमन पर भावपूर्ण प्रस्तुति दी। गुरुवार को सकल संघ के साथ संतगण मेहता परिवार के नूतन आवास पर कुमकुम के पगलिए हेतु जाएंगे।

## क्या कमाल की 'राइड' थी?: अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली/भाषा

स्पेसएक्स का ड्रैगन अंतरिक्ष यान फ्लोरिडा में नासा के अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपण के 10 मिनट के भीतर पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश कर गया और इसमें रवाना हुए भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने कहा कि कमाल की राइड (सफर) थी!

अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बने शुक्ला ने 41 वर्षों के अंतराल के बाद भारत की अंतरिक्ष में वापसी की घोषणा हिन्दी में की तथा सभी से उनकी यात्रा का हिस्सा बनने का आग्रह किया।

लड़ाकू पायलट से अंतरिक्ष यात्री बने शुक्ला (39) ने पृथ्वी की कक्षा से अपनी पहली टिप्पणी में कहा, मेरे कंधों पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं अकेला नहीं हूं और मैं आप सभी के साथ हूं। उन्होंने कहा, नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियों। क्या सफर था! हम 41 साल के अंतराल के बाद अंतरिक्ष में लौटे हैं और क्या कमाल की राइड थी!

शुक्ला ने कहा, हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं... यह सिर्फ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की मेरी यात्रा की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है और मेरी इच्छा है कि सभी देशवासी इस यात्रा का हिस्सा बनें।

शुक्ला ने कहा, आपका सीना भी गर्व से चौड़ा होना चाहिए...आइये हम सब मिलकर भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की इस यात्रा पर चलें। जय हिंद! जय भारत।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित वाणिज्यिक मिशन के तहत बुधवार को तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के लिए रवाना होकर इतिहास रच दिया।

इससे 41 साल पहले भारत के राकेश शर्मा ने तत्कालीन सोवियत संघ के अंतरिक्ष यान में अंतरिक्ष की यात्रा की थी।

ड्रैगन अंतरिक्ष यान का नाम अंतरिक्ष यात्रियों ने ग्रेस रखा है और इसके बृहस्पतिवार को भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने की उम्मीद है।

## जियो मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम था: मुकेश अंबानी

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने 2016 में रिलायंस जियो के साथ दूरसंचार उद्योग में कदम रखने के फैसले को अपने जीवन का सबसे बड़ा जोखिम बताया है। उन्होंने कहा कि यदि विश्लेषकों की वित्तीय विफलता की भविष्यवाणी सच भी हो जाती तो भी भारत को डिजिटल रूप से बदलने में इसकी भूमिका को देखते हुए यह जोखिम उठाना उचित होता। वैश्विक प्रबंधन परामर्श कंपनी 'मैकिन्से एंड कंपनी' के साथ साक्षात्कार में एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 4जी मोबाइल नेटवर्क शुरू करने में अपने स्वयं के अरबों डॉलर का निवेश किया था। इसको लेकर कुछ विश्लेषकों का कहना था कि यह वित्तीय रूप से सफल नहीं हो सकता है क्योंकि भारत सबसे उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकी के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने अपने निदेशक मंडल से कहा कि सबसे खराब स्थिति यह होगी कि हमें

ज्यादा 'रिटर्न' नहीं मिलेगा। तो यह ठीक है, क्योंकि यह हमारा अपना पैसा है लेकिन रिलायंस के रूप में, यह भारत में हमारा अब तक का सबसे बड़ा परोपकारी काम होगा क्योंकि हम भारत का डिजिटलीकरण कर देश को पूरी तरह बदल चुके होंगे। जियो को 2016 में पेश किए जाने के बाद से, जियो ने मुफ्त 'वॉयस कॉल' और बेहद कम लागत वाला डेटा प्रदान करके भारतीय दूरसंचार बाजार में क्रांति ला दी है, जिससे प्रतिस्पर्धियों को कीमतें कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है और देश भर में तेजी से डिजिटल अपनाने को बढ़ावा मिला है।

### गोसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के सुरभि गौ माता सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित सुरभि गौशाला रघुनाथपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने गोपूजा की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गाय के रोम रोम में वह पावनता एवं दिव्यता है जो साक्षात गोलोक में हैं। गाय हमारी संस्कृति की नींव है। गाय का संरक्षण होगा तो हमारे देश का कल्याण होगा। गोपूजन के पश्चात स्थानीय कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गौ भक्त उपस्थित थे। गौशाला के गोविंद कीर्तन प्रभु एवं वेणु लोला दास ने मुणोत को सम्मानित किया

### अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वाणी विलास हॉस्पिटल में पूर्णिमा एवं अमावस्या को जरूरतमंद लोगों की सेवार्थ सेकंड इनिंग्स-दि हेल्पिंग हैंड्स' संस्था के सदस्यों द्वारा आयोजित होने वाले अन्नदान की श्रृंखला में बुधवार को अमावस्या के मौके पर अन्नदान किया। एल. सोहनराज भरतराम सिंघवी परिवार द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में अन्नप्रसादम योजना के चेयरमैन विनय मरलेचा, अध्यक्ष रमेश बाफना, उपाध्यक्ष गौतमचंद धारीवाल, महामंत्री जयंतीलाल श्रीश्रीमाल सहित अनेक सदस्यों ने मानवसेवी कार्य में सेवा दी। संस्था द्वारा प्रत्येक माह करीब 140 स्वधर्म परिवारों को राशन सामग्री भी वितरित की जाती है।

## ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे शी चिनफिंग

बीजिंग/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग अगले महीने ब्राजील में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। मीडिया में प्रकाशित एक खबर में यह जानकारी सामने आई है। खबर के मुताबिक यदि ऐसा होता है तो 12 वर्ष पहले पदभार संभालने के बाद से पहली बार होगा जब चिनफिंग उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह की बैठक में शामिल नहीं होंगे। हांगकांग के दैनिक समाचार पत्र 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने बुधवार को कई सूत्रों के हवाले से खबर दी कि चिनफिंग रियो द जेनेरियो में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे।

SHRI BEAWAR SANGH BENGALURU
SHRI BEAWAR SANGH YUVA SHAKHA
Presents
Main Sponsor
VAIBHAV GROUP
benevolent living
BENGALURU EXPO & TRADE SHOW 2025
5th & 6th July 2025, Saturday & Sunday
FOR STALL BOOKING SCAN QR
BOOK YOUR STALL SOON
Exhibition at- Mahaveer Dharmashala, V. V. Puram
CONTACT FOR STALL BOOKING
Prathik Gadiya 99458 39622 | Arihant Chhajed 90368 27644 | Sunil Bhandari 74060 19977 | Kunal Marlecha 96206 17906
CONTACT FOR EVENT
Lalit Dakliya, President 98442 51261 | Kuldeep Chhajed, Secretary 93423 97926

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com